सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मोहमद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के बादशाह बने, लेसिंग मुजरबानी को पछाड़ा -पेज: 7

रॉकेटशिप में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं ईशा कोप्पिकर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: '187 | मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

नए आपराधिक न्याय कानूनों को लागू करना 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार: अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को 21वीं सदी का सबसे बड़ा सुधार (रिफॉर्म) बताते हुए सोमवार को कहा कि इससे लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय मिलेगा। यहां नए कानूनों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि इनके संपूर्ण कार्यान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी। शाह ने कहा,ह्यह्यमैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि इक्कीसवीं शताब्दी का सबसे बड़ा ह्यरिफॉर्म' हमारे तीन आपराधिक न्याय कानूनों को आगे लागू करना है। इसके संपूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली बन जाएगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है।" पुरानी व्यवस्था के तहत न्याय में होने वाली देरी पर शाह ने कहा कि कुछ मामले बिना सजा के 25 से 30-30 साल तक चलते रहते थे। उन्होंने कहा, ह्यह्यलोगों को समय पर न्याय नहीं मिलता था। अब इससे मुक्ति मिल जाएगी।" नए कानूनों के तहत प्रकियाओं को समयबद्ध किए जाने का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा कि जब हमने समयसीमाएं तय कीं तब सबके मन में संशय था कि क्या ऐसा हो पायेगा? लेकिन सिर्फ एक साल हुआ है, देश में पचास प्रतिशत से ज्यादा आरोप पत्र समय पर होने लगे हैं। उन्होंने कहा,ह्यह्यमुझे पूरा विश्वास है एक और साल में ये नब्बे प्रतिशत तक पहुंच जायेंगे।" गृह मंत्री ने यह भी बताया कि भारत सरकार ने नयी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए लाखों पुलिसकर्मियों, हजारों न्यायिक अधिकारियों और फोरेंसिक प्रयोगशालाओं व जेल कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। शाह ने कहा कि इन सुधारों से अदालत में प्रत्यक्ष रूप

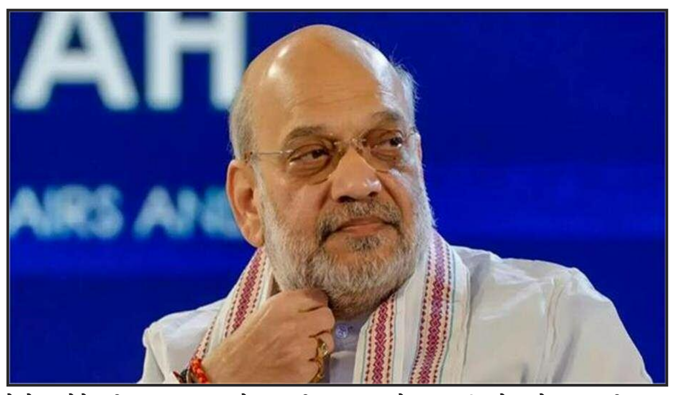

से पेश होने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, ह्यह्यआरोपियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया जाएगा, जबकि पुलिस अधिकारी, बैंक कर्मचारी, डॉक्टर और फोरेंसिक विशेषज्ञ भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हो सकेंगे। इससे समय और पैसे दोनों की बचत होगी।" उन्होंने कहा कि इससे विचाराधीन कैदियों के पुलिस हिरासत से भागने की संभावना भी कम हो जाएगी। शाह ने कहा कि देश में लागू तीन नए आपराधिक कानून लोगों को समय पर, सुलभ तरीके से और सरलता से न्याय देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा,ह्यह्यपूरे देश में किसी के भी साथ अन्याय होता है तो वो अदालत में जाना पसंद नहीं करता। हमारी न्यायिक व्यवस्था की छवि न्याय समय पर ना मिले, ऐसी बनी है। मैं विश्वास के साथ बताने आया हूं आपराधिक न्याय प्रणाली के तीन कानून आपको समय पर, सुलभ तरीके से, सरलता से न्याय देने का काम करेंगे।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यईज ऑफ लिविंग' के लिए ढेर सारे परिवर्तन किए लेकिन इन कानूनों के अमल के साथ ह्यईज ऑफ जस्टिस' के लिए भी बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यइन कानूनों के माध्यम से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दंड की जगह न्याय से प्रेरित होकर काम करेगी।" शाह ने कहा कि पूरे देश में इसका सटीक क्रियान्वयन हो चुका है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के माध्यम से सभी राज्यों को सहायता करने के लिए मार्गदर्शन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि तीन नए कानून - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) - तीन साल की व्यापक प्रक्रिया के बाद तैयार किए गए थे। नए कानून पिछले साल एक जुलाई को देश भर में लागू किए गए थे। प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए शाह ने कहा कि नए कानून ह्यई-एफआईआर' और ह्यजीरो एफआईआर' जैसी प्रणालियां पेश करते हैं, जिसका उद्देश्य शिकायत दर्ज करने के शुरूआती चरणों को सरल बनाना है। उन्होंने कहा, ह्यह्यराजस्थान में पहले दोषसिद्धि दर 42 प्रतिशत थी। इन कानूनों के लागू होने के बाद यह बढ़कर 60 प्रतिशत हो गई है। मेरा मानना है कि कार्यान्वयन पूरा होने के बाद यह बढ़कर 90 प्रतिशत हो जाएगी।" उन्होंने कहा, ह्यह्यअब प्रक्रियाएं समयबद्ध होंगी, जिससे जल्द सुनवाई और त्वरित न्याय सुनिश्चित होगा।" कार्यक्रम में राज्य की विभिन्न विकास परियोजनाओं का डिजिटल माध्यम से भूमिपूजन भी हुआ। शाह ने कहा कि ह्यराइजिंग राजस्थान' कार्यक्रम के दौरान कुल 35 लाख करोड़ रुपये के करार हुए थे जिनमें से चार लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का कार्यान्वयन हुआ है।

मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में लगी भीषण आग, कई दुकानें जलकर हुईं खाक

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। इससे ठीक एक दिन पहले यानी रविवार को भी मुंबई के खारघर में आग लगने की घटना सामने आ चुकी है। रविवार को नवी मुंबई के खारघर इलाके में एक रिहायशी इमारत में आग लग गई थी। रैपिड एक्शन फोर्स ने तीन महिलाओं समेत 7 लोगों को बचाया। 19 मंजिला इमारत, ट्राइसिटी सिम्फनी में रविवार दोपहर करीब 12-50 बजे आग लग गई। बचाव दल ने 17वीं और 18वीं मंजिल से लोगों को बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उनका इलाज जारी है। मुंबई के कुर्ला पश्चिम इलाके में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग ने देखते ही देखते कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग की गई है। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिखाई दे रहा है कि दुकानों में भीषण आग लगी है और ऊंची-ऊंची लपटे उठ रही। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर एंबुलेंस की ट्रक से टक्कर... दो लोगों की मौके पर मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में जयपुर-अजमेर हाईवे पर तेज रफ्तार एंबुलेंस, सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। एंबुलेंस में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि 3 लोग घायल हैं। रोड पर पाम ऑयल गिरा हुआ था। इससे पहिया फिसलने के बाद एंबुलेंस अनियंत्रित हो गई थी। हादसा बगरू इलाके के छीतरोली स्टैंड के पास रात करीब ढाई बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि छीतरोली स्टैंड पर पाम ऑयल का टैंकर खड़ा था। पीछे से आए डंपर ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। पाम ऑयल सड़क पर फैल गया। टक्कर में डंपर के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। टक्कर के बाद टैंकर से पाम ऑयल का रिसाव होने लगा और वह हाईवे पर फैल गया। तभी किशनगढ़ की ओर से आ रही एम्बुलेंस पाम ऑयल पर आकर अनियंत्रित हो गई। हाईवे किनारे खड़े ट्रक में सामने से एंबुलेंस घुस गई। एंबुलेंस सतीश धामनी (31) चला रहा था। इसके अलावा एंबुलेंस में 4 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को बगरू सीएचसी ले गए थे। इसके बाद दो घायलों को अस्पताल भेजा गया। हादसे में किशनगढ़, अजमेर निवासी दिनेश कुमारी (55) और विक्की उर्फ वीरम सिंह (31) पुत्र गोविंद सिंह की मौत हो गई। एम्बुलेंस ड्राइवर सतीश धामनी, अमित वैष्णव (30), और बिठुदास (60) का एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

नेहा सिंह राठौर को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा... मुकदमे का सामना करे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर गायिका और कार्यकर्ता नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर विचार करने से इंकार कर उन्हें मुकदमे का सामना करने को कह दिया। शीर्ष अदालत ने दो टूक कहा कि वे मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रही है। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कहा कि इस समय वे विद्रोह के आरोप (भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने) के मुद्दे में हस्तक्षेप नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने उन्हें आरोप तय करते समय ये मुद्दे उठाने की भी स्वतंत्रता दी। गायिका ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के 19 सितंबर के आदेश को चुनौती देकर शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इंकार किया था। प्राथमिकी में राठौर पर एक खास धार्मिक समुदाय को निशाना बनाने और देश की एकता को खतरे में डालने का आरोप लगा है। उन्होंने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में थाने में अभय प्रताप सिंह नाम के एक व्यक्ति द्वारा अपने खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी को चुनौती दी थी। सिंह ने राठौर पर धार्मिक आधार पर एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने की बार-बार कोशिश करने का आरोप लगाया था।

जहरीले कफ सिरप मामले में श्रीसन फार्मा से जुड़े चेन्नई के 7 ठिकानों पर ईडी का छापा

चेन्नई (एजेंसी)। हाल ही में जहरीले कफ सिरप से करीब दो दर्जन बच्चों की जान चली गई। इन दवाओं को बनाने में नियमों का पालन नहीं हो रहा था। लेकिन कोई अफसर जांचने नहीं गया। बताया जा रहा है कि घोर लापरवाही के चलते सब कुछ कागजों पर ऑल इज वेल की कहानी चलती रही। कुछ इसी तरह की जानकारियां उस वक्त सामने आईं जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत श्रीसन फार्मा और तमिलनाडु ड्रग नियंत्रण विभाग के शीर्ष अधिकारियों से जुड़े चेन्नई स्थित सात ठिकानों पर छापेमारी की। बता दें कि जो दवा जीवन बचाती है, उसने बच्चों को मौत दी। इस मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वहीं, नियामक निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण में भी गंभीर खामियों को उजागर किया है। छापेमारी कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले के सिलसिले में की गई है, जिसके कारण मध्य प्रदेश में 20 से अधिक बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी तमिलनाडु के वरिष्ठ ड्रग नियंत्रण अधिकारियों के आवासों और जहरीले सिरप की निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े परिसरों पर की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने कंपनी और तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन दोनों द्वारा कई उल्लंघन पाए। खराब बुनियादी ढांचे और बार-बार सुरक्षा उल्लंघनों के बावजूद, श्रीसन 2011 में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद से बेरोकटोक काम करती रही। कोल्ड्रिफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक घातक मात्रा पाई गई है, जो आमतौर पर एंटीफ्रीज में इस्तेमाल होने वाला एक रसायन है।

करोड़ों खर्च के बाद भी साफ नहीं हो सकी गोमत नदी!

- 20 लाख लोगों को नदी से मिलता है 320 एमएलडी कच्चा पानी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में बहने वाली गोमती नदी शहर की जीवनरेखा है, लेकिन प्रदूषण के कारण इसकी स्थिति चिंताजनक हो गई है। करीब 20 लाख लोगों को 320 एमएलडी कच्चा पानी नदी से मिलता है। गोमती बैराज के पास पानी का स्तर बनाए रखने के लिए पानी का बहाव रोका जाता है। नदी में 39 नाले गिरते हैं, जिनमें से 13 नाले बिना ट्रीटमेंट या आंशिक ट्रीटमेंट के सीवेज सीधे नदी में डालते हैं, जिससे पानी काला और जहरीला हो गया है। 2010 से 2025 तक गोमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए करीब 2,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2011 में भरवारा और दौलतगंज में बड़े एसटीपी बनाए गए, लेकिन नालों पर पंप काम नहीं कर रहे हैं और सीवेज पंपिंग स्टेशन से सही तरीके से सीवेज एसटीपी तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसके कारण सीवेज अभी भी सीधे नदी में गिरता है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रमुख प्रो. वेंकटेश दत्ता और गोमती टास्क फोर्स के मेजर केएस नागी ने नदी में गिरने वाले नालों का सर्वे किया। हैदर कैनाल, कुकरैल नाला और घसियारी मंडी नाले में कूड़ा-कचरा सीवेज सीधे नदी में पहुंच रहा है। नगर निगम भी नदी किनारे कूड़ा फेंकता रहा है, जिससे प्रदूषण और बढ़ा है। गोमती नदी की स्थिति सुधारने के लिए विभागों को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। नालों और सीवेज प्रणाली की सही देखरेख, कूड़ा निस्तारण और जागरूकता अभियान के साथ-साथ पानी की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी जरूरी है, तभी गोमती को फिर से स्वच्छ और जीवनदायिनी बनाया जा सकेगा।

असम में सरकारी नौकरी का रिकॉर्ड! 1 लाख का आंकड़ा पार, 2 लाख की ओर सरमा सरकार

दिसपुर(एजेंसी)। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने एक लाख से ज़्यादा उम्मीदवारों को लाभकारी रोज़गार प्रदान करके एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, और अब दो लाख नियुक्तियों के विशाल लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रही है। असम प्रदेश भाजपा ने एक बयान में कहा कि राज्य के महत्वाकांक्षी युवाओं में नई आशा का संचार करते हुए, सरकार अक्टूबर महीने में 35,000 उम्मीदवारों को रोज़गार देने के लिए तैयार है। असम पुलिस में 5,614 कांस्टेबल पदों के लिए बहुप्रतीक्षित परिणामों की घोषणा ने न केवल अनगिनत सपनों को साकार किया है, बल्कि पारदर्शिता, दक्षता और योग्यता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया है।

बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 3,698 तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों के लिए परिणामों की घोषणा भी उतनी ही उल्लेखनीय है। जैसा कि मुख्यमंत्री ने

अपने फेसबुक लाइव संबोधन में घोषणा की थी, एडीआर परीक्षा के अंतर्गत चतुर्थ श्रेणी पदों के परिणाम 15 अक्टूबर को घोषित किए जाएँगे, उसके बाद 17 अक्टूबर तक स्नातकोत्तर शिक्षक के परिणाम घोषित किए जाएँगे। असम राज्य भाजपा प्रवक्ता ज़फ़रीन मेहजबीन ने एक लाख सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने के अपने वादे को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की गहरी सराहना और हार्दिक बधाई व्यक्त की - एक ऐसा वादा जिसे विपक्ष ने कभी अप्राप्य बताकर खारिज कर दिया था।

बयान में कहा गया है, 'आज यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ कार्यान्वयन का अकाट्य प्रमाण है। नवंबर तक, 38,000 अतिरिक्त नियुक्तियाँ वितरित की जानी हैं, जो रोज़गार सृजन में निरंतर गति को दर्शाती हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान (CMAAA) के तहत, एक लाख और युवाओं - पुरुषों और महिलाओं दोनों - को उद्यमशीलता के उपक्रम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये मिलेंगे, जिससे पूरे राज्य में आत्मनिर्भरता की लहर दौड़ेगी। आवेदन प्रक्रिया पहले से ही चल रही है, और जिन लाभार्थियों ने पहली किस्त का विवेकपूर्ण उपयोग किया है, उन्हें सहायता की दूसरी किस्त मिलने की उम्मीद है।'

ज़फ़रीन मेहज़बीन ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम की भाजपा-नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी भर्ती को उद्यम-आधारित विकास के साथ सामंजस्य स्थापित करके रोज़गार नीति के पारंपरिक दायरे को पार कर लिया है। असम राज्य भाजपा ने बयान में कहा, 'योग्यता आधारित नियुक्तियों और उद्यमशीलता सशक्तिकरण पर यह दोहरा जोर समग्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है।'

कर्नाटक में मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलें तेज, सिद्धारमैया बोले- रात्रिभोज सामान्य

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल की अफवाहों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कैबिनेट सहयोगियों के साथ उनकी रात्रिभोज बैठक एक नियमित बैठक थी और इसका किसी राजनीतिक कदम से कोई लेना-देना नहीं है। सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा इस रात्रिभोज का मंत्रिमंडल में फेरबदल से कोई लेना-देना नहीं है। मैं अक्सर रात्रिभोज का आयोजन करता हूँ। मैंने काफी समय से इसकी मेज़बानी नहीं की है, इसलिए मैंने आज आमंत्रित किया। इस रात्रिभोज में कुछ खास नहीं है। यह केवल आपके और भाजपा के लोगों के लिए खास है। कांग्रेस सरकार अगले महीने अपने कार्यकाल के 2.5 वर्ष पूरे करने जा रही है, ऐसे में मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव और यहां तक ??कि ÷नवंबर क्रांति÷ की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ लोग इस मुहावरे का इस्तेमाल राज्य में सत्ता परिवर्तन का संकेत देने के लिए कर रहे हैं। क्या हमें मिलना नहीं चाहिए? मुझे समझ नहीं आ रहा। भाजपा की बात मानकर, आपने

(मीडिया ने) हमारी डिनर पर हुई मुलाकात को अपराध बना दिया है। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन के पीछे राजनीतिक महत्व की बातों को खारिज करते हुए कहा हम अक्सर मिलते रहते हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में आगामी तालुका, जिला पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ द्वारा हाल ही में लिखे गए एक पत्र के बाद, जिसमें दावा किया गया था कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कमीशन की माँग दोगुनी हो गई है, भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने की रणनीतियों पर भी चर्चा हो सकती है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों का विषय रहे हैं, ने सप्ताहांत में फेरबदल की चर्चा को एक अफवाह करार दिया। सिद्धारमैया के करीबी सूत्रों का कहना है कि किसी भी फेरबदल से उनके अधिकार और निरंतरता पर जोर पड़ेगा, लेकिन दोनों नेताओं ने कांग्रेस सरकार के भीतर किसी भी आंतरिक दरार के संकेत को कम करने की कोशिश की है।

10 दिन बाद सुबह पदयात्रा पर निकले संत प्रेमानंद महाराज... भक्तों की आंखों से आंसू छलक पड़े

-राधे-राधे जयकारों से गूंज उठी वृंदावन की गली-गली

मथुरा (एजेंसी)। वृंदावन में मशहूर संत प्रेमानंद महाराज 10 दिन बाद पदयात्रा पर निकले। महाराज की झलक पाकर भक्तों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और हजारों की भीड़ जोर-जोर से राधे-राधे का जयकारा लगाने लगी। बात दें कि प्रेमानंद महाराज 2 अक्टूबर से पदयात्रा नहीं कर रहे थे। केली कुंज आश्रम ने इसके पीछे उनके स्वास्थ्य का हवाला दिया था। हालांकि, इस दौरान वे आश्रम में ही एकांतिक वार्ता (भक्तों से बातचीत) करते रहे।

दरअसल मथुरा-वृंदावन से संत प्रेमानंद जी महाराज के भक्तों के लिए रविवार की सुबह खुशखबरी लेकर आई। काफी दिन बाद प्रेमानंद महाराज ने अपनी पदयात्रा फिर शुरू की। सुबह करीब 3 बजे श्री राधे हित केलिकुंज आश्रम से बाहर निकलते ही उन्होंने

परिक्रमा मार्ग की ओर प्रस्थान किया। इस दौरान उनके दर्शन के लिए भारी संख्या में भक्त उमड़ पड़े। परिक्रमा मार्ग राधे-राधे के जयकारों से गूंजने लगा। भक्तों का उत्साह देखकर प्रेमानंद महाराज कई स्थानों पर रुककर उनकी तरफ मुस्कुराते हुए दिखाई दिए। प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में सुधार को देखकर भक्तों ने भी राहत की सांस ली। उनकी एक झलक पाने को हजारों भक्त पहले से ही खड़े थे। महाराज को देखते ही भक्तों के चेहरे खिल उठे। भक्तों ने कहा, जब से हमने सुना था कि महाराज जी की तबीयत खराब है, हम बहुत चिंतित थे। लेकिन अब उन्हें स्वस्थ देखकर मन को सुकून मिला। वे हम सभी को आशीर्वाद देते हुए आगे बढ़ गए।

प्रेमानंद महाराज वृंदावन में श्रीकृष्ण शरणम् सोसाइटी से रमणरेती स्थित आश्रम हित राधा केली कुंज के लिए निकलते हैं। 2 किमी पैदल चलकर जाते हैं। उनके दर्शन के लिए रात को हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं।

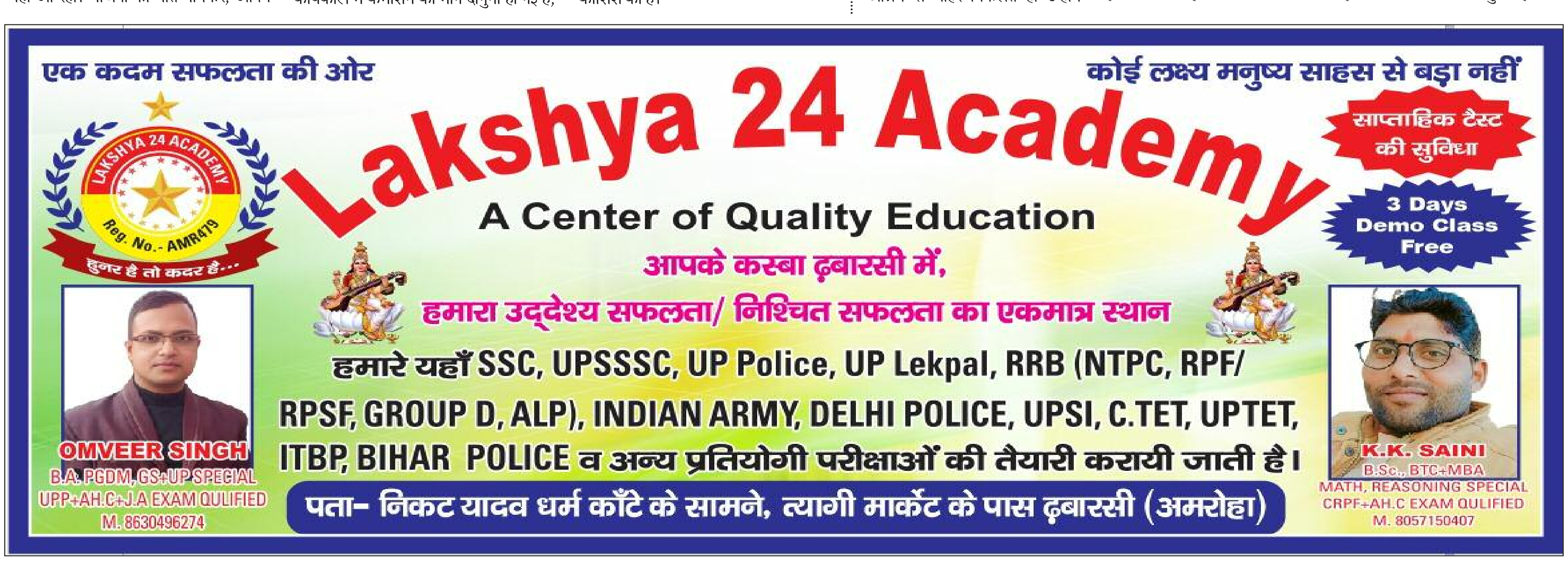

संपादकीय

कृषि समृद्धि की नई राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरूआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋ ण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतजार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋ ण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋ ण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां, तकनीक वरदान या विनाश?

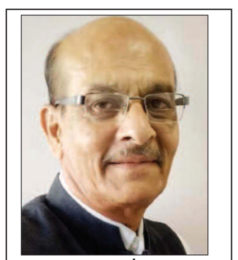

सनत जैन

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज रफ्तार ने टेक उद्योग की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। बड़ी आईटी कंपनियाँ अब ऐसे दौर में पहुँच चुकी हैं, जहाँ मशीनें इंसानों से कहीं ज्यादा तेज, सटीक और सस्ती साबित हो रही हैं। जो प्रोजेक्ट पहले किसी इंजीनियर को दो साल पूरे करने में लगते थे, अब एआई से उन्हें महज 20-30 दिनों में पूरा हो रहे हैं। कंपनियों के लिए यह तकनीकी एक क्रांति की तरह है। यह एक वरदान भी है, जो सोचते हैं उसे कुछ ही समय में पूरा कर लेते हैं। उत्पादकता बढ़ी है, लागत घट गई है। मानव संसाधन जिसमें इंजीनियरों और कर्मचारियों की एक बड़ी फौज काम करती थी, उनके लिए यह बदलाव किसी डरावने सपने के साकार होने की तरह है। अमेरिका में इसका असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियाँ मानव संसाधन का 'री-स्ट्रक्चरिंग' कर 'एआई एडॉप्शन' के नाम पर कर्मचारियों से इस्तीफा लेकर उन्हें नौकरी से हटा रही हैं। जिनकी सेवा अवधि 10 साल से कम है। उन्हें तीन महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वहीं, पुराने कर्मचारियों को 18 महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह एक तरह की गुपचुप छंटनी है। जिसमें कंपनियाँ 'टर्मिनेशन' शब्द से बचते हुए बदलाव का नाम देकर हजारों नौकरियाँ को खत्म कर रही हैं। इससे अमेरिका जैसे देश में जहां एच-1वीजा लेकर जो लाखों लोग काम कर रहे हैं, उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से वीजा पर शुल्क लगा रहे हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्सेंचर जैसी कंपनियाँ भी 'एआई स्किलिंग' के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनयोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है।

कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के जरिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएँगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। एआई की अपडेटेड स्किल ही करियर और नौकरी की गारंटी होगी। एआई अब केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि उद्योगों कृषि कार्यों एवं रोजगार के भविष्य में निर्णायक स्थिति बन गई है। अमेरिका से उठी छंटनी की लहर भारत तक पहुँच चुकी है। 'सुरक्षित' मानी जाने वाली आईटी नौकरियाँ भी अब सुरक्षित नहीं हैं। आने वाले समय में तकनीकी ही तय करेगी, कौन आगे बढ़ेगा और कौन तकनीकी दौड़ में पीछे छूटकर बेरोजगार हो जाएगा। एआई युग की यही सच्चाई है। जो खुद को बदलना सीखेगा, वही अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएगा। वैसे जिस तरह से मानव संसाधन की जगह तकनीकी और मशीने लेती चली जा रही हैं, इसका असर दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलेगा। करोड़ों लोगों को काम नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी जनसंख्या को किस तरह से रोजगार से जोड़कर रखा जा सकता है? तकनीकी के इस दौर में एक नई चुनौती सामाजिक, शासन-प्रशासन के सामने वैश्विक स्तर पर खड़ी होती चली जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। तकनीकी का यह प्रभाव शुरूआती दौर में है, आगे चलकर यह बहुत सारी मुश्किलें खड़ी करने वाली है। जिस तरह से दुनिया में बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है, यदि समय रहते इसका कोई बेहतर रास्ता नहीं निकला गया तो बहुत भयानक दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।

राजनीति : विपक्ष वही बढ़ेगा जो सत्ता से लड़ेगा

नवेद शिकोह

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है।

मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकुमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है,सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट हैं और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो।

तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं की। जन-विरोधी है सरकार। हुकुमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी खूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया। सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई।

भाजपा के सहयोग से बसों का इंतेजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है ? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं।

बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी गलत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया। भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गईं हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचपन सीटें भी ले आईं और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

रेयर अर्थ को लेकर चीन का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्व नहीं रहे बिल्क ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियाँ पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल (NCMS) कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है।

हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिसप्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खासियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं– इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और यहां तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी।

इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85% हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत की यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है। हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि देश में रेयर अर्थ मैग्नेट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है।

सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों– जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं।

हालांकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा।

देखा जाये तो चीन के कदम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'खनिज कूटनीति' आने वाले दशकों में ऊर्जा और रक्षा नीति का नया मोर्चा बनेगी। अमेरिका ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और चीनी आयात पर 100% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है। यदि भारत समय रहते अपनी तकनीकी क्षमता विकसित कर लेता है और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों– जैसे ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्राजील या अफ्रीकी देशों से साझेदारी करता है, तो वह न केवल अपनी घरेलू जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि एशिया में एक सप्लाई हब के रूप में उभर सकता है।

हम आपको बता दें कि खनिज मंत्रालय ने अब तक पाँच चरणों में 55 रणनीतिक और महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है, जिनमें से 34 सफलतापूर्वक आवंटित किए जा चुके हैं। छठा चरण हाल ही में आरंभ हुआ है। यह निरंतरता दशार्ती है कि भारत अब खनिज नीति को केवल संसाधन-शोधन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगिक नीति के साथ जोड़ रहा है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ केवल ह्यभू-संसाधनह्ल नहीं हैं बल्कि ये भारत के मेक इन इंडिया और ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन की आत्मा हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा, और रक्षा उपकरणों के लिए ये तत्व उतने ही जरूरी हैं जितना तेल किसी अर्थव्यवस्था के लिए।

देखा जाये तो भारत का यह कदम समयोचित और दूरदर्शी है। जब चीन जैसी ताकतें आपूर्ति को कूटनीतिक हथियार बना रही हैं, तब भारत अपनी स्वतंत्र आपूर्ति व्यवस्था और भंडारण नीति के माध्यम से 'सप्लाई सिक्योरिटी' का मजबूत ढांचा तैयार कर रहा है। फिलहाल मात्र दो महीने का भंडार और सीमित क्षमता एक शुरूआत है, लेकिन दिशा स्पष्ट है। यह उस भारत की झलक है जो हर संकट को अवसर में बदलना जानता है। रेयर अर्थ के इस दौर में भारत ने संदेश दिया है- 'खनिज भी अब रणनीति हैं और आत्मनिर्भरता ही सर्वोच्च कूटनीति है।'

27 वीं जनपदीय विद्यायली क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा राजकीय मिनी स्टेडियम, अमरोहा मे 27वीं जनपदीय विद्यायली क्रीड़ा प्रतियोगिता का मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स को अंगवस्त्र पट्टिका, कैप, बुके भेंट का स्वागत किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने ध्वज शिष्टाचार कर गुब्बारे एवं शान्ति और खुशहाली के प्रतीक सफेद कबूतर उड़ाकर प्रतियोगिता का शुरू किया। तदोपरान्त शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वन्दना, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत सहित अन्य छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने मार्च पास्ट की सलामी कर सैल्यूट का अभिवादन किया। विगत वर्ष की इंटरनेशनल खिलाड़ी जान्हवी यादव द्वारा उपस्थिति सभी विद्यालयो के बच्चों का शपथ दिलाई। सिख इन्टर कॉलेज के छात्र लविश द्वारा उड़ीसा में आयोजित खेल प्रतियोगिता में 200 मीटर की दौड़ में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा मेडल प्रदान कर शुभकामनायें प्रदान की। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा 800 मीटर की दौड़ को हरी झण्डी दिखाकर प्रारम्भ किया और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान करने वाले खिलाड़ियो को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर उनके उज्जचल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि 27वीं जनपदीय क्रीडा प्रतियोगिता में विभिन्न संकुलों से आए बच्चों की मार्च पास्ट, 800 मी0 की सफल और हेल्दी कंपटीशन का आयोजन किया गया। उन्होने कहा कि खेल के मैदान में आकर कभी यह न सोचे कि हम जीतेंगे या हारेंगे बल्कि यह सोचे कि हम अपना बेस्ट देंगे और बेस्ट परफॉर्मेंस होगी। टीम भावना के साथ खेले टीम पर विश्वास रखें तब निश्चित की आप सफल होगें। उन्होंने इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और स्पोटर्स टीचर्स को भी हार्दिक शुभकामनाएं दी। जिलाधिकारी ने प्रतिभाग कर रहे सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाओं के साथ प्रेरित करते हुये कहा कि पूरी मेहनत ईमानदारी और लगन के साथ मेहनत करके विश्व में अपना, अपने माता-पिता, परिवार में नाम रोशन कर देश में अपना स्थान ऊंचा करो। मेहनत के द्वारा ही सभी लक्ष्य प्राप्त हो सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे आयोजन से छात्र-छात्राओं के अंदर छिपी प्रतिभा निखर कर सामने आती है। बच्चों में हुनर होता है बस उसे निखारने की जरुरत होती है। खेल के जरिए बुलन्दियों को छुआ जा सकता है। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी , विभिन्न विद्यालयो के प्रबन्धक, प्रधानाचार्य, अध्यापकगण, छात्र-छात्रायें सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सम्भल (सब का सपना):- पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो एडिट कर वायरल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तारी किया है पुलिस के अनुसार, पूरा मामला जनपद के कोतवाली संभल का है जहां एक व्यक्ति वसीम ने अपने फेसबुक अकाउंट "मीडिया विहार 1" नामक पेज के कमेंट बॉक्स में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की एडिट की हुई आपत्तिजनक तस्वीर पोस्ट की थी। जिसमें प्रमोद सैनी पुत्र भगवानदास निवासी लाडम सराय, थाना कोतवाली सम्भल की तहरीर पर वसीम के खिलाफ अभियोग दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई के आदेश पर, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी सम्भल और सहायक पुलिस अधीक्षक सर्किल सम्भल के निर्देशन में वसीम को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने बताया कि आरोपी से आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आपत्तिजनक फोटो वसीम को किस माध्यम से मिली और इसे वायरल करने में किन लोगों की भूमिका रही।

ब्लॉक सभागार में विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 कार्यक्रम का किया गया आयोजन

विकसित भारत बनाने में हम सभी की जिम्मेदारी अहम:- प्रमोद त्यागी

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक सभागार में विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता प्रमोद कुमार त्यागी ने कहा कि विकसित भारत बिल्डथॉन एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो स्कूलों और शिक्षकों को कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को अपनी रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल दिखाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आमंत्रित करती है। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को चार विषयों - आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत - पर विचार करने या प्रोटोटाइप बनाने के लिए प्रोत्साहित करके स्कूल स्तर पर नवाचार की संस्कृति को मजबूत करना है। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षकों से भी विकसित भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए पूर्व प्रधानाचार्य ब्रह्मदत्त त्यागी ने विकसित भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत वोकल फोर लोकल के तहत अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर दिया।और कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार प्रसार का हिस्सा जरूर बनें। एड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने कहा कि यह आयोजन शिक्षा मंत्रालय द्वारा अटल नवाचार मिशन (एआईएम) और नीति आयोग के सहयोग से आयोजित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के प्राथमिक शिक्षा संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,पवन अग्रवाल,जगवीर सिंह, जयवीर सिंह,विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, गौतम सिंह, बिजेंद्र सिंह,नितिन कुमार,मुकुल चौहान, भुवनेश वर्मा,मंदीप सिंह,जयपाल सिंह, राहुल सागर,नाजिर अली आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व एआरपी विकास राहुल ने किया।

जिलाधिकारी ने किया तिगरी गंगा मेला स्थल का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा गंगा तिगरी मेला की तैयारी का मौके पर जाकर जायजा लिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रस्तावित ले आउट देखा और चल रहे कार्यों की प्रगति जानने के बाद बन रही सड़कों के कार्यों में तेजी लाते हुए शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। सड़कों का कार्य पूरा होने के तुरंत बाद विद्युत, प्रकाश, शौचालय और पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ खंड के अधिकारियों को घाटों का निर्माण कार्य शुरू करते हुए घाटों का निर्माण सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए मजबूत बल्लियां लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ फ्लोटिंग बैरियर की व्यवस्था के लिए भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश बाढ़खंड के अधिकारियों को दिए। उन्होंने गन्ने की फसल को 02 दिन में कटवाने के लिए उपजिलाधिकारी धनौरा, जिला पंचायत राज विभाग, बीडीओ और अधिशासी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तिगरी गंगा मेला को भव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसलिए, सभी अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से पूर्ण करें, ताकि श्रद्धालुओं को उत्तम सुविधाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को एरिया या किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े इसलिए इस बार मेला को चौड़ाई की जगह अधिक लंबाई में लगाया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 के अंतर्गत माध्यमिक विद्यालयों में हुआ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में विकसित भारत बिल्डाथॉन 2025 के अंतर्गत प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा माध्यमिक विद्यालय में देखा गया। प्रधानमंत्री के लाइव प्रसारण में निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी अमरोहा राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रही। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भावी पीढ़ी के कर्णधार हो। विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर और छोटे-छोटे उत्पादों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करके हम आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार कर सकते हैं। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने हेतु भारत सरकार द्वारा विकसित भारत बिल्डाथान 2025 कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। आत्मनिर्भर भारत का आव्हान, विकसित भारत निर्माण के लिए समस्त प्रकार के बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक अध्ययन 5 से 7 विद्यार्थियों के दल का शिक्षक के नेतृत्व में vbb.mic.gov.in पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया है। जहां शिक्षक की मेंटरशिप में 5 से 7 विद्यार्थियों का दल मुख्य विषय आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल, समृद्ध भारत की थीम पर अपने विचारों का राईट अप एवं 2 मिनट की वीडियो 31 अक्टूबर तक पोर्टल पर अपलोड करेंगे। जिससे सभी की एक अभियान के रूप में विकसित भारत में विचारों की सहभागिता हो सके। विकसित भारत बिल्डथान 2025 मेगा इवेंट कार्यक्रम के तहत जनपद स्तर पर 1000, राज्य स्तर पर 100 एवं राष्ट्रीय स्तर पर 10 विजेताओं को एक करोड़ की धनराशि के पुरस्कार प्रदान किए जाएगे। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को विकसित भारत मेगा इवेंट प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक कक्षा 06 से 12 तक सभी प्रकार के विद्यालयों में लाइव प्रसारण देखा गया। विकसित भारत @2047 के तहत प्रबुद्ध जनों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि के विचार आमंत्रित किया जा रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ प्रवेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा, देवेंद्र प्रताप सिंह जयवीर सिंह मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा उपस्थित रहे।

अमरोहा ट्रेड फेयर 2025 के अंतर्गत रोजगार मेला का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा ट्रेड फेयर के अंतर्गत रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 240 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए जिनमें से 86 अभ्यर्थियों का चयन उपस्थिति कुल 7 कंपनियां के द्वारा किया गया जिन में कुल लगभग 300 रिक्तियां थी। रोजगार मेले का शुभारंभ जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मेले में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरेंद्र सिंह ढिल्लों उपस्थित रहे। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा अंत में समस्त उपस्थित प्रशिक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में युवक/महिला मंगल दल को प्रोत्साहन स्वरूप खेल किट का वितरण किया गया। मेले में नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई अमरोहा एवं प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई गजरौला एवं अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

विकसित भारत बिल्डथॉन कार्यक्रम में हुआ भव्य सजीव प्रसारण

अमरोहा (सब का सपना):- भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में विकसित भारत बिल्डथॉन का जनपद अमरोहा के कम्पोजिट विद्यालय कैलसा, जोया में सजीव प्रसारण दिखाया गया ।कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका ने उपस्थित रहकर बच्चों से संवाद किया तथा प्रदत्त चार थीम में से बच्चों द्वारा संकल्पित कृषि आधारित प्रोटोटाइप के विषय में जाना । खंड शिक्षा अधिकारी जोया ने बिल्डाथॉन सजीव प्रसारण कार्यक्रम में उपस्थित रहते हुए इसके सन्दर्भ में बताया कि इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण आज भारत के कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों हेतु प्रत्येक विद्यालय में एक साथ प्रसारित किया जा रहा है । इसी क्रम में आज जनपद अमरोहा के साथ ही समस्त उच्च प्राथमिक व संविलियन विद्यालयों में उत्सवपूर्वक इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया । इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में प्रत्येक उच्च प्राथमिक व संविलियन विद्यालय से गाइड टीचर के नेतृत्व में 5 बच्चों की टीम बनी है, यह टीम भारत सरकार द्वारा प्रदत्त चार थीम आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत पर कोई एक प्रोटोटाइप/प्रोजेक्ट का निर्माण करेगी ।उक्त कार्यक्रम के बाद छात्र-छात्राओं के साथ उनकी इन्नोवेटिव आईयिाज के बारे में चर्चा की गई तथा उसे पर मंथन कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए गए। इस प्रोजेक्ट को 31 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित पोर्टल पर सबमिट किया जाना है, जिनमें से प्रोजेक्ट पुरस्कृत किये जायेंगे । संविलियन विद्यालय कैलश में आज के जनपदस्तरीय प्रसारण कार्यक्रम में एजुकेशन इंस्ट्रक्टर के रूप में जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) प्रशान्त कुमार, उच्च प्राथमिक विद्यालय कैंलश के सहायक अध्यापक अजय बामल ,विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सतेंद्र सिंह, ए आर पी भूपेंद्र सिंह, मंजू रानी, ने उपस्थित रहकर सजीव प्रसारण कार्यक्रम को सुगम समन्वय प्रदान किया।

मिशन शक्ति 5 अभियान के अंतर्गत गुड टच बेड टच के बारे में दी गई जानकारी

गांव मोहल्ला स्कूल कॉलेज आदि स्थानों पर जाकर किया गया जागरूक

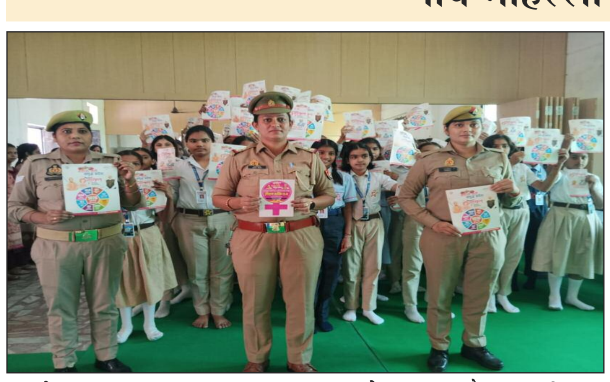

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एवं नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी के निकट प्रयवेक्षण में छात्राओं एवं बालिकाओं को बाल विवाह, महिला शिक्षा, लैंगिक समानता और आत्मनिर्भरता जैसे सामाजिक विषयों के सम्बन्ध में जनपद के सभी थानो पर गठित मिशन शक्ति टीम द्वारा स्कूल/कॉलेज, गाँव, कस्बा, बाजारो, बस स्टैन्ड आदि पर महिलाओं को जागरुक करने एवं हेल्प लाइन नम्बरों 1098,112 की जानकारी देते हुये स्कूल/कालेज मे पढने वाली बच्चियों/छात्राओं को सरल भाषा में गुड टच बैड टच आदि के बारे में भी जानकारी दी गयी तथा जन जागरुकता अभियान चलाकर महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में जनपद के सभी थाने व पीआरवी के टीम के द्वारा गांव, मोहल्ला,स्कूल, कॉलेज, बाजार, चौराहों आदि स्थानों पर जाकर बालिकाओं एवं महिलाओं को सरल तरीके से गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से समझाया गया । बालिकाओं को बाल यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट (POCSO Act) और बच्चों से जुड़े अन्य अपराधों की पहचान, उनसे सुरक्षा के उपाय, एवं उनके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई । इसके अतिरिक्त बाल यौन शोषण, बाल मजदूरी, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, साइबर अपराध, और अन्य बाल अपराधों के विषय में भी बच्चों को अवगत कराया गया । मिशन शक्ति टीम ने बच्चों को 1098 (चाइल्डलाइन हेल्प नंबर) एवं 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा) के बारे में भी जानकारी दी, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें । मिशन शक्ति पुलिस टीम ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें यह विश्वास दिलाया कि वे कभी भी किसी असामान्य तथा असहज स्थिति का सामना करें, तो निडर होकर अपने माता-पिता, शिक्षकों या नजदीकी पुलिस अधिकारी को बताएं ।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें संवेदनशील विषयों पर खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करना तथा एक सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण का निर्माण करना तथा शासन द्वारा उनके सशक्तीकरण हेतु चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें पम्पलेट वितरित किए गए ।

आरडीएच फाउंडेशन कर रहा गरीब परिवारों की मदद

हर दिन गांव गांव जाकर गरीब परिवारों में जरूरत के अनुसार सामान वितरित

हापुड (सब का सपना):- आरडीएच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक गरीबी मिटाने का निर्णय लिया गया है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीब परिवारों के लिए आवश्यकता अनुसार सामान वितरित किया जाता है। जिसमें वाशिंग मशीन, फ्रिज, कूलर, एसी, सिलाई मशीन, घर का राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े, नगद राशि भी आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों में दी जाती है। इतना ही नहीं आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीबी मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा गरीब परिवारों की महिलाओं को सिलाई मशीन देकर उन्हें आर्थिक सहयोग दिया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रपति अध्यक्ष रोहित राजपूत राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह, राष्ट्रीय सचिव मोहित चौहान,राष्ट्रीय निर्देशक बरन सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक मांगे सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक अशोक सिंह ,राष्ट्रीय निर्देशक कैलाश , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, दिल्ली सलाहकार कुलदीप सिंह , दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जौली चौहान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह, पश्चिम उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हीर प्रकाश गुप्ता मेरठ महिला अध्यक्ष अनीता केवट, मेरठ जिला अध्यक्ष सविता प्रजापति, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, उतर प्रदेश महिला अध्यक्ष रीना राजपूत अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह उप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मनीष राजपूत ग्राम अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष सायपुर सरिता देवी, हापुड़ महिला अध्यक्ष बिजेंद्री देवी बागपत जिला अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विकास चौहान, हसनपुर अध्यक्ष नरेश सिंह, समलल अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप हापुड़ जिला अध्यक्ष हरि शरण प्रजापति, मध्य प्रदेश अध्यक्ष निशु चौहान, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , उप मध्य प्रदेश मुकेश वर्मा, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष प्रेम चंद सिंह, बुलन्दशहर महिला जिला अध्यक्ष हेमलता,उप बुलन्दशहर महिला अध्यक्ष अध्यक्ष पूनम चौहान, बागपत उपजिला अध्यक्ष रिंकी शर्मा, बागपत जिला अध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्रजघाट अध्यक्ष नरेश कुमार, ग्राम सिलपुर अध्यक्ष प्रीती चौहान, तालिश अध्यक्ष अमित चौहान, लोनी ताशील अध्यक्ष अनिल कुमार, बाबूगढ़ महिला अध्यक्ष गुड़िया सिंह, बाबूगढ़ अध्यक्ष हरीश कुमार , मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष जाकिर खान, मुरादाबाद जिला अध्यक्ष संदीप चौहान अमरोहा जिला अध्यक्ष आकाश चौहान रामपुर जिला अध्यक्ष आलोक चौहान महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष पूजा चौहान गुलाबटी अध्यक्ष फरीन, गीता सैनी मौजूद रहे।

बहजोई पुलिस की बड़ी कार्रवाई एक वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। आपको बता की 22 अगस्त को थाना बहजोई में सुनिता देवी, पत्नी बादशाह सिंह, निवासी मौहल्ला कुम्हारन, थाना बहजोई, जनपद सम्भल द्वारा दी गई तहरीरी सूचना के आधार पर एक अभियोग दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि अभियुक्तों ने सुनिता देवी के निमार्णाधीन मकान में घुसकर उनके और उनके परिवार के साथ मारपीट की तथा फर्जी बैनामों के जरिए उनके आवासीय प्लॉट को हड़पने की कोशिश की। इस मामले में थाना बहजोई में सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी क्रम में थाना बहजोई पुलिस ने मुकदमे में वांछित अभियुक्त सुम्मेरी पुत्र मंगली जाटव, निवासी ग्राम ढकारी, थाना बहजोई को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश गया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह की कार्रवाइयाँ निरंतर जारी रहेंगी।

मिशन शक्तिः संभल में महिलाओं व बालिकाओं के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल ने मिशन शक्ति विशेष अभियान के तहत आर.एस. इंटर कॉलेज, चंदौसी में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. विदुषी सिंह के आदेशानुसार और प्रभारी सचिव आदित्य सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने एसिड अटैक, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, बाल विवाह निषेध और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, निःशुल्क विधिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में बताया गया और अन्य अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाई गई। महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी समस्या के समाधान के लिए निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल संजीव कुमार, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल चंद्रपाल सिंह, असिस्टेंट मयंक गोयल, प्रधानाध्यापक दिनेश पाल सिंह, पीएलवी अतुल कुमार, अंशुल, रमाकांत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

श्री गांधी इंटर कॉलेज बेलरायां में स्वर्ण जयंती पर शिक्षा व रोजगार महोत्सव, 170 युवाओं को मिला अवसर

"संस्थापक स्व. सीताराम अग्रवाल की स्मृति में चार दिवसीय आयोजन संपन्न"

निघासन/लखीमपुर खीरी (सब का सपना):- श्री गांधी इंटर कॉलेज बेलरायां में स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित चार दिवसीय समारोह शिक्षा और रोजगार के महाकुंभ के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत उप जिलाधिकारी राजीव निगम ने की, जबकि पहले दो दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं से छात्रों की प्रतिभा निखारी गई। तीसरे दिन आयोजित कौशल एवं रोजगार महोत्सव का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार द्वारा किया गया। समारोह में 22 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग करते हुए युवाओं को रोजगार प्रदान करने की पहल की। लगभग 1500 अभ्यर्थियों में से 350 के आवेदन स्वीकार किए गए और 170 युवाओं को मौके पर ही ऑफर लेटर दिए गए। शेष युवाओं को विद्यालय प्रबंधन द्वारा नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। यह आयोजन प्रबंधक राजेश अग्रवाल के सहयोग एवं प्रयासों से संभव हुआ। उन्होंने एनएसडीसी, कौशल विकास योजना और अन्य कंपनियों से संपर्क स्थापित कर क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार का मंच तैयार किया। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जो युवा इस मेले में चयनित नहीं हो सके, उन्हें भविष्य में अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को आकर्षित किया। कार्यक्रम में विधायक शशांक वर्मा, दीपक गांजेवाला (एमटी यूनिवर्सिटी नोएडा), अवधेश पांडे (शापूरजी पालोनजी समूह) और सुषमा कुशवाहा (सीएमएस लखनऊ) मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्यामसुंदर पांडे, प्रबंधक राजेश अग्रवाल,
कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता, उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल, उप प्रबंधक देवेंद्र सिंह, सदस्य इमरान खान, यशोदानंद मिश्र, रामसनेही गुप्त, प्रधानाचार्य डॉ. अजय कुमार, प्रधानाध्यापक विनोद कुमार वर्मा समेत समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही। स्थापना पर्व का यह आयोजन क्षेत्र में शिक्षा व रोजगार की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत छात्राओं को गुड, टच एवं बैड, टच के बारे में दी गई जानकारी

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, के निदेर्शानुसार विबग्योर इन्टरनेंशनल, स्कूल पिलखुवा, राजकीय हाई स्कूल, हिम्मतपुर, राजकीय इण्टर, कॉलेज सिखेड़ा, राजकीय इण्टर कॉलेज खिचरा, राजकीय हाई स्कूल लालपुर, एस0 जे0 पी0 एस0 स्कूल निजामपुर, के0 पी0 स्प्रींग फील्ड पब्लिक स्कूल शिवनगर तथा संस्कार इण्टर कॉलेज खड़कपुर झड़ीना हापुड़ के आदि अन्य विद्यालयों की छात्राओं को मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत ह्गुड टच व बैड टचह्व के विषय में बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध के कारण बच्चों को सुरक्षित रहने के लियेष ह्गुड टच व बैड टचह्व बीच अन्तर करने की जानकारी प्रदान की गयी एवं इससे सम्बन्धित वीडियो दिखाए गये, ताकि बच्चों को गुड, टच व बैड, टच के बीच अन्तर समझने में जागरूकत हो सकें। और वे अपनी सुरक्षा व इसके बारे में समझ विकसित कर सकें। इसके साथ ही प्रत्येक विद्यालय में इस विषय पर जागरूकता हेतु एक नोडल नियुक्त किया गया जो आगे भी बच्चों को जागरूक करेंगे। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉनसरशिप आदि की जानकारी दी गयी तथा विभिन्न हेल्प नम्बरों जैसे महिलाओं की सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंम्बर 1090, वूमेन पावर, 181, महिला हेल्पलाइन, 1076, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098, चाइल्डलाइन, 1930, साईबर हेल्पलाइन, 101, अग्नि शमन सेवा, 108, एम्बुलेन्स सेवा की जानकारी आदि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सोनिया, सेन्टर मैनेजर वन स्टॉप सेन्टर, पुलिस विभाग, उक्त स्कूल/कॉलेजों के प्रधानाचार्य/ अध्यापक आदि कार्मिक उपस्थित रहें।

शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम द्वारा शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट को क्षय उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट ने क्षय उन्मूलन अभियान के अंतर्गत टीबी रोगियों को गोद लेकर उनकी देखभाल और उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ट्रस्ट की टीम ने टीबी रोगियों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने, उनकी आर्थिक सहायता करने, और उन्हें समाज में पुनः स्थापित करने में मदद करने के लिए काम किया है। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट की टीम को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी और कहा कि यह सम्मान ट्रस्ट की टीम के समर्पण और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि टीबी रोग के उन्मूलन के लिए ट्रस्ट का योगदान महत्वपूर्ण है और हमें उम्मीद है कि ट्रस्ट आगे भी इसी तरह काम करता रहेगा। शालोम चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम को धन्यवाद दिया और कहा कि यह सम्मान ट्रस्ट की टीम के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट आगे भी टीबी रोग के उन्मूलन के लिए काम करता रहेगा और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रयासरत रहेगा।

जस्ट राइट्स फाउंडेशन ने लगाया बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

सम्भल(सब का सपना):- जस्ट राइट्स फाउंडेशन की तरफ से सोमवार को सम्भल के रिठाली गांव में बालिकाओं एवं महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए एक व्यापक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल के तहत बालिकाओं स्वास्थ्य को पोषण संबंधी सलाह, और स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय की युवा पीढ़ी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। शिविर का शुभारंभ संस्था के निदेशक गौरीशंकर चौधरी ने किया, जिन्होंने बालिकाओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का महत्व बताया। ग्राम प्रधान नवतेस कुमार ने इस अवसर पर कहा कि स्वस्थ बालिकाएं ही परिवार और समाज की नींव मजबूत कर सकती हैं बालिकाओं को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, और व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे बुनियादी पहलुओं पर ध्यान देने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने माता-पिता से भी अपील की कि वे अपनी बेटियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता दें। जस्ट राइट्स फाउंडेशन ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि बालिकाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण में योगदान दिया जा सके। स्थानीय निवासियों और अभिभावकों ने इस प्रयास को सम्भल जैसे क्षेत्रों में एक सकारात्मक बदलाव की शुरूआत बताया, जो न केवल स्वास्थ्य सुधार में सहायक होगा, बल्कि बालिकाओं के आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगा। इस अवसर पर सिराज अहमद फील्ड कोर्डिनेटर साहित तमाम महिला एवं बच्चियां मौजूद रहे।

बहजोई में कल्कि महोत्सव की धूम, रूचिका जागीण के हरियाणवी गीतों पर थिरके सैकड़ों दर्शक

दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से हरयाणवी सिंगर का किया स्वागत

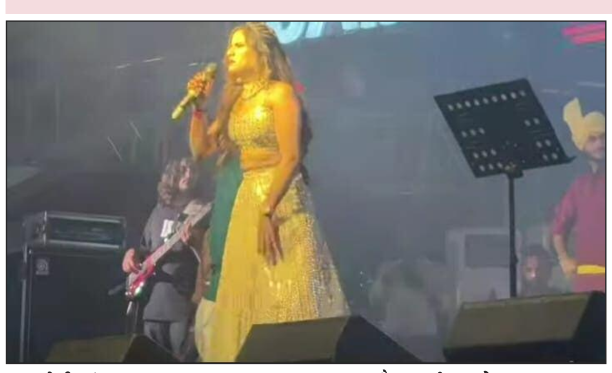

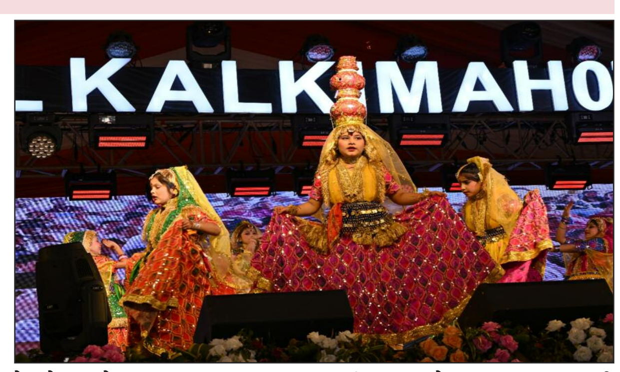

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में चल रहे भव्य कल्कि महोत्सव एवं विकासोत्सव की रौनक दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। रविवार शाम को बड़ा मैदान बहजोई में आयोजित सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को हरियाणवी संगीत की मस्ती में डुबो दिया। हरियाणा की मशहूर सिंगर रूचिका जागीण के गीतों पर लोग झूम-झूमकर थिरक उठे, और चारों ओर उत्साह की लहर दौड़ गई। महोत्सव का यह सातवां दिन खास तौर पर यादगार रहा। रूचिका जागीण ने अपनी कर्णप्रिय आवाज में "मेरो बलमा घड़ों शियाणो ठंडो को कोलो ले आयो" जैसे लोकप्रिय हरियाणवी गाने पेश किए, जिस पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। लोग नाचते-गाते एक-दूसरे के साथ सेल्फी लेते नजर आए, और मैदान में मची धूम ने महोत्सव को और भी रंगीन बना दिया। एक दर्शक ने कहा, "रूचिका दीदी की आवाज ने तो दिल जीत लिया। ऐसे कार्यक्रम से हमारी संस्कृति और जीवंत हो जाती है।" यह महोत्सव संभल जनपद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 6 अक्टूबर से शुरू हुआ था, जो 13 अक्टूबर तक चलेगा। हर शाम अलग-अलग थीम पर सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। पहले दिन माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने उद्घाटन किया था, और अंतिम दिन बॉलीवुड गायक बी प्राक की प्रस्तुति होगी। जिला प्रशासन ने बताया कि यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम भी है। पुलिस प्रशासन का सहयोग सराहनीय रहा। एसपी और डीएम की देखरेख में सुरक्षा, यातायात, पेयजल और सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखी गई। कोई भी अप्रिय घटना न होने से दर्शक निश्चिंत होकर कार्यक्रम का आनंद ले सके। स्थानीय लोगों ने हरियाणवी सिंगर रूचिका जागीण की जमकर तारीफ की। एक बुजुर्ग ने कहा, "ऐसे मेले से गांव का माहौल बदल जाता है। सब एक परिवार की तरह लगते हैं।" कल्कि महोत्सव संभल की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित है, जो भगवान कल्कि के अवतार से प्रेरित है। यह आयोजन न केवल मनोरंजन प्रदान कर रहा है, बल्कि पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अंतिम दिन की तैयारी जोरों पर है, जहां बी प्राक के गीतों पर फिर से धूम मचेगी।

डीजीपी पर एक्शन होना चाहिए, वाई पूरन कुमार के घर शोक जताने पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

हरियाणा हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार के सुसाइड का मामला सुलझ नहीं रहा है। लगातार 6 दिन से आईपीएस के परिवार और सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है। आज यानी सोमवार को सातवां दिन है। परिवार की सहमति न मिलने की वजह से शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हो पाया। वहीं उनके घर सांत्वना जताने के लिए नेताओं का तांता लगा हुआ है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार के घर आए हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने आईपीएस वाई पूरन कुमार के मामले में कहा कि पुरन कुमार हैदराबाद से थे और हरियाणा केडर के आईपीस थे उनके परिवार के साथ मुलाकात की है उनकी पत्नी आईएएस अधिकारी है। परिवार ने कहा है कि हमे हमेशा परेशान किया गया और गलत काम करने वाले दूसरे थे और आरोप आईपीएस पर लगाया गया। वह बेहद अच्छे अधिकारी थे। इतना बड़ा अधिकारी आत्महत्या करता है तो इसका मतलब परेशान था। यहां के सीएम ने उनकी पत्नी से मुलाकात की है और कहा है कि जो आरोपी है उन पर कार्यवाही होगी। पार्टी के नेता मैने यहां भेजे डीजीपी पर सबसे बड़े आरोप है और एसपी पर आरोप है वही जिस तरह से पोस्टमार्टम नहीं हुआ है तो उसमे जल्द करवाई करने की कोशिश है, जिसमें की एसपी रोहतक को गिरफ्तार करने की जरूरत है वहीं डीजीपी पर भी कार्यवाही होनी चाहिए। मैं मोदी जी के मंत्रिमंडल के जिस तरह शामिल हु तो वहीं दलित नेता होने के जाते मै यहां पर आया हूं और हम दुख व्यक्त करते है वही महाराष्ट्र में भी इस घटना पर रोष जताया है। नायब सैनी से मैने समय मांगा है और उनसे मुलाकात करूंगा, जिसमें कि डीजीपी पर एक्शन होना चाहिए और उन्होंने कहा है कि फिर हम अंतिम संस्कार करेंगे। आठवले ने कहा कि इनके परिवार के लोग भी मिले है। इस घटना से पता चलता है कि इतने साल होने के बाद भी भेदभाव दिखाई देता है। आठवले ने कहा कि मैं मुलाकात करूंगा और कहूंगा कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक अंतिम संस्कार नहीं होगा। आठवले ने कहा कि आईपीएस वह हरियाणा से थे तो मामला। यही चंडीगढ़ का है और राज्य सरकार का यह मामला है जिसमे की वह उनका ही मामला बनता है जिसमें कि कार्यवाही के आदेश देने चाहिए। इनके अलावा तेलंगाना के डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्का, कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उदयभान और सतपाल ब्रह्मचारी दिवंगत आईपीएस वाई पूरण के घर पहुंचे। इसके अलावा दोपहर 12.20 बजे उद्योग मंत्री राव नरवीर अमनीत पी कुमार से मिलने पहुंचे और तकरीबन 40 मिनट रूके। अनुराग रस्तोगी 10.30 बजे पहुंचे और 12 बजे बाहर आए। इसके अलावा मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव तरुण भंडारी भी एक बजे अमनीत पी कुमार के आवास पर पहुंचे ।इस दौरान आज तेलंगाना के डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्का पूरन कुमार की पत्नी से शोक जताने के लिए उनके चंडीगढ़ स्थित घर पर पहुंच गए हैं। पूरन कुमार मूलरूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे। आंध्र प्रदेश से अलग होकर ही तेलंगाना राज्य बना है। इसके बाद तेलंगना के डिप्टी सीएम ने कहा कि डीजीपी और एसपी को सस्पेंड कर तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। तेलंगाना सीएम रेड्डी ने भी परिवार से फोन पर बात की है। हम चुप बैठने वाले नहीं हैं। एक दलित अधिकारी के साथ ऐसा हो रहा है तो दूसरे दलित कैसे सेफ हो सकते हैं। वाई पूरन कुमार को डीजीपी लंबे समय से परेशान कर रहे थे। सके अलावा चौधरी अभय सिंह चौटाला ने आज दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के असामयिक निधन के पश्चात उनके आवास पर जाकर शोक प्रकट किया।

ये सुसाइड पूरे प्रशासनिक तंत्र की संवेदनहीनता को उजागर करता है'रघुबीर कादयान

बहादुरगढ़ : हरियाणा के पूर्व विधानसभा स्पीकर और बेरी के मौजूदा विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादयान ने आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सुसाइड पूरे प्रशासनिक तंत्र की संवेदनहीनता को उजागर करता है। किसी भी सूरत में कसूरवार को छोड़ा नहीं जाना चाहिए, वहीं निर्दोष को परेशान भी नहीं किया जाना चाहिए। कादयान ने कहा कि यह हाई-लेवल मामला है और पीड़ित परिवार भी आईजी-स्तर की जांच से असंतुष्ट है। उन्होंने सरकार से मांग की कि परिवार की इच्छा के अनुसार जांच एजेंसी तय की जाए ताकि उन्हें न्याय मिल सके। कादयान ने यह भी सवाल उठाया कि घटना के कई दिन बाद भी शव का पोस्टमॉर्टम नहीं हुआ, जो प्रशासन की उदासीनता को दशार्ता है।

जलभराव पर सरकार को घेरा

कादयान ने किसानों की समस्याओं पर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि बेरी हल्के में लगभग 16 हजार एकड़ फसल बरसात से नष्ट हुई है। उन्होंने सरकार से विशेष गिरदावरी करवाने और किसानों को प्रति एकड़ 50 हजार रुपये का मुआवजा देने की मांग की। कादयान ने कहा कि पानी निकासी न होने से किसान अगली फसल की बुवाई भी नहीं कर पा रहे, इसलिए तुरंत राहत कदम जरूरी हैं।उन्होंने यह बात गोरिया टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स, बहादुरगढ़ में बेरी विधानसभा क्षेत्र के बूथ एजेंटों की बैठक के दौरान कही। बैठक में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन, बीएलए-2 की नियुक्ति और राहुल गांधी के वोट चोरी अभियान को हरियाणा में तेज करने पर चर्चा हुई।

अंबाला जगाधरी रोड पर दर्दनाक हादसा, मासूम समेत महिला की मौत, 2 अन्य घायल

अंबाला : अंबाला जगाधरी रोड़ पर आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे हुआ। लापरवाह ट्राला चालक ने एक्टिवा को चपेट में ले लिया, जिसमें 8 माह के बच्चे और उसकी मां की मौत हो गई। सड़क हादसे में बच्चे का पिता व चाचा घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार एक्टिवा पर सवार होकर परिवार बच्चे गीतांश का चेकअप करवाने सपेड़ा गांव से पीजीआई चंडीगढ़ जा रहे थे, लेकिन अंबाला जगाधरी रोड़ पर लापरवाह ट्राला चालक ने एक्टिवा को चपेट में ले लिया। इस हादसे में 8 माह के गीतांश और उसकी 25 वर्षीय मां गीता की मौके पर मौत हो गई। हादसे में बच्चे का पिता और चाचा घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को हस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मौके से ट्राले को काबू किया और ट्राला चालक को गिरफ्तार कर लिया। हादसे को लेकर पुलिस का कहना है कि ट्रक की चपेट में एक्टिवा सवार आ गए। हादसे में 8 माह के बच्चे और उसकी मां की मौत हो गई। बच्चे का पिता व चाचा घायल हो गए। उन्होंने कहा कि परिजनों के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है।

हिसार में प्रॉपर्टी डीलर को गोली मारी, 3-4 युवकों से इस बात पर हुआ था विवाद

हिसार : हिसार शहर में शुक्रवार देर रात गाड़ी को साइड न देने के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। तीन युवकों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना संत नगर के पास हुई, जो पूरी वारदात पास से लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घायल की पहचान अमन (35) निवासी शांति नगर, कुंजलाल गार्डन के रूप में हुई है। पुलिस को दी शिकायत में घायल अमन ने बताया कि वह 5 साल से सिरसा रोड पर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। 11 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे वह अपनी ब्रेजा कार में रेलवे स्टेशन जा रहा था। इस दौरान काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार 3-4 युवकों से गाड़ी साइड को लेकर कहासुनी हो गई। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कार रोककर अमन से मारपीट की और फिर अरविंद उर्फ करंट निवासी ठंडी सड़क ने अपने साथी छोटू को पिस्तौल लाने को कहा। छोटू ने गोली चलाई, जो अमन के सीने में जा लगी। इसके बाद आरोपी अपनी स्कॉर्पियो में सवार होकर रेलवे स्टेशन की दिशा में फरार हो गए।

महिला प्रधानों के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

हापुड़ (सब का सपना):– प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की बेहतर समझ, नेतृत्व क्षमता और तकनीकी ज्ञान प्रदान करना। जिले के डीपीआरसी केंद्र में महिला प्रधानों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस प्रशिक्षण में जिले के सभी ब्लॉकों से आई हुई महिला प्रधानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ दीपक सिंह, वरिष्ठ फैकल्टी , शिव कुमार, सद्दाम, एवं शैहवाज, (स्टेट कोऑर्डिनेटर) उपस्थित रहें। जिन्होंने अपने सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला प्रतिनिधियों को पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की बेहतर समझ, नेतृत्व क्षमता और तकनीकी ज्ञान प्रदान करना है। आने वाले दो दिनों तक विशेषज्ञ प्रशिक्षक विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी देंगे। कार्यक्रम के दौरान डीपीआरसी परिसर में उत्साह और सीखने का माहौल देखने को मिला।

दिल्ली से बावल तक चलेगी नमो भारत ट्रेन

हरियाणा हरियाणा सरकार ने नमो भारत ट्रेन के पहले फेज में दिल्ली से रेवाड़ी के बावल तक रूट को मंजूरी दे दी है। पहले केवल दिल्ली से धारूहेड़ा तक ही इस ट्रेन के संचालन की अनुमति थी, लेकिन अब बावल तक विस्तार से यात्रियों को काफी लाभ होगा। योजना के तहत दिल्ली से गुरुग्राम होते हुए राजस्थान के शाहजहांपुर तक नमो भारत ट्रेन चलाने की योजना बनाई गई है।

हरियाणा रैपिड मेट्रो ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (HMRTC) ने इस बदलाव के संदर्भ में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (NCRTC) को पत्र भेजा है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पहले यह योजना धारूहेड़ा तक सीमित थी, लेकिन 18 सितंबर को हुई बैठक में इस पर असहमति जताई गई और ट्रेन के संचालन को बावल तक बढ़ाने का सुझाव दिया गया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को भी पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ट्रेन का संचालन हरियाणा-राजस्थान सीमा पर स्थित बावल तक किया जाना चाहिए। राव इंद्रजीत सिंह की आपत्ति के बाद 26 सितंबर को HMRTC के प्रबंध निदेशक डॉक्टर चंद्रशेखर खरे ने NCRTC को पत्र लिखकर नमो भारत ट्रेन के संचालन को धारूहेड़ा की बजाय बावल तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। पत्र में बताया गया है कि इस निर्णय पर विचार-विमर्श के बाद सरकार ने सहमति व्यक्त की है। डॉक्टर चंद्रशेखर खरे ने पत्र में यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल ट्रेन का संचालन केवल बावल तक होगा और अगर भविष्य में बावल से आगे विस्तार किया जाता है, तो उसका खर्च हरियाणा सरकार वहन नहीं करेगी। बावल हरियाणा का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है, इसलिए यहां यात्रियों की संख्या अधिक रहती है।

नमो भारत ट्रेन के स्टेशन नमो भारत ट्रेन के लिए दिल्ली में सराय काले खां, INA, मुनिरका और एरो सिटी में स्टेशन बनाए जाएंगे। गुरुग्राम में साइबर सिटी, इफको चौक, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला, मानेसर, पचगांव, बिलासपुर चौक, धारूहेड़ा, रेवाड़ी और बावल में भी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। गुरुग्राम के चार स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे।

रोहतक में होटल पर पुलिस की रेड, अनैतिक गतिविधियों में मिले युवक-युवतियां

रोहतक : रोहतक पुलिस ने रविवार देर शाम शहर के एक होटल में छापा मारकर अनैतिक गतिविधियों का खुलासा किया। गुप्त सूचना के आधार पर आर्य नगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की, जिसमें एक दर्जन से अधिक युवक और युवतियों को हिरासत में लिया गया। जानकारी के अनुसार, होटल में लंबे समय से महिलाओं से अनैतिक कार्य करवाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसी सूचना पर एएसपी प्रतीक अग्रवाल के नेतृत्व में टीम ने रेड की। एएसपी प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि होटल संचालक अवैध गतिविधियों में लिप्त था और बाहर से महिलाओं को बुलाकर उनसे देह व्यापार करवाया जाता था। पुलिस ने होटल को सील कर दिया है और संचालक सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। हिरासत में लिए गए सभी व्यक्तियों से पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस कार्रवाई से शहर में हड़कंप मच गया है।

महोत्सव/ विकासोत्सव 2025 के अष्टम दिवस संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):– बड़ा मैदान बहजोई में 6 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले सम्भल कल्कि महोत्सव/विकासोत्सव 2025 के अष्टम दिवस के प्रथम सत्र में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी की अध्यक्षता में व्यापारी सम्मेलन, विकसित भारत की ओर बढता व्यापार, उत्तर प्रदेश में कौशल विकास, रोजगार सम्मेलन तथा पीएम सूर्य घर योजना पर संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य, उ. प्र. सरकार सुरेश खन्ना रहे। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि मंत्री सुरेश खन्ना एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं मंत्री गुलाब देवी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव तथा जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अन्य अतिथि गणों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि मंत्री सुरेश खन्ना एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं मंत्री गुलाब देवी का जनपद की नयी परम्परा पंचोपचार के द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया एवं प्राचीन बेरनी के मंदिर से प्राप्त भगवान विष्णु जी की प्रतिमा की प्रतिकृति भी दी गयी तथा अन्य अतिथि गणों का भी एक पुष्प एवं एक पुस्तक के माध्यम से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं मंत्री जी ने कहा कि मानव जीवन बहुत ही उपयोगी है। हमने ऐसे प्रदेश एवं देश में जन्म लिया है जहाँ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृत्व कर रहे हैं। देश के कर्मयोगी प्रधानमंत्री सभी को समान समझ कर सब के लिए कार्य कर रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव ने कहा कि जिलाधिकारी ने जनपद सम्भल में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने पीएम विद्यालयों की सराहना की। उन्होंने शासन के द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया। कार्यक्रम के अन्तर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओमवीर सिंह खड़गवंशी तथा भाजपा के महामंत्री कमल कुमार कमल तथा व्यापार बन्धुओं द्वारा भी संबोधित किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री ने कहा कि जनपद में जितना हुनर है, जितनी विशेषताएं हैं यह महोत्सव उसको प्रदर्शित कर रहा है। वास्तव में हर जिले में इतने इतने हुनर छुपे हुए हैं जो मालूम नहीं पड़ते जब इस प्रकार के कार्यक्रम होते हैं तब ही पता चलता है जब इस प्रकार के महोत्सव होते हैं। यह जनपद पूरे 22 हजार करोड़ का निर्यात करता है पिछले 10 वर्षों में इसमें निरन्तर बढोतरी हो रही है ।उन्होंनें जीएसटी पर चर्चा की,ओडीओपी अर्थात वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट,मुख्य मंत्री स्वरोजगार योजना, युवा उद्यमी योजना के विषय में भी बताया। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश रही हर क्षेत्र को बढ़ावा मिले। हमारे प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। आज उत्तर प्रदेश अग्रणी प्रदेश के रूप में जाना जाता है जबकि पूर्व में यह प्रदेश बीमारु राज्य कहलाता था। स्वयं सहायता समूह के विषय में चर्चा की।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान धार्मिक स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में सदा अमर रहेगा : सीएम

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज श्री गुरू तेग बहादुर जी से संबंधित एक विशेष पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर सीएम को शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। इस दौरान सीएम ने कहा कि भारत के इतिहास में श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता का रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनका बलिदान धार्मिक स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में सदा अमर रहेगा। सीएम ने आगे कहा कि हमारे गुरुओं ने हमें देश, धर्म और अपने मान के लिए अडिग रहना सिखाया है। हमें आने वाली पीढ़ियों को गुरुओं की शिक्षाओं से जोड़ने और उनके आदर्शों को समाज में जीवित रखने के लिए लगातार कार्य करना होगा।

हरियाणा के इस जिले में फायर ब्रिगेड कर्मियों की सारी छुट्टियां कैंसिल, सामने आई हैरान करने वाली वजह

हरियाणा : दीपावली नजदीक है और त्योहारी सीजन के चलते पटाखों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आगजनी की घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा के अंबाला फायर डिपार्टमेंट पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। विभाग ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है और सभी फायर कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। फायर अधिकारी पंकज ने जानकारी दी कि अंबाला जिले में कुल 34 फायर टेंडर तैनात किए गए हैं। इनमें 12 गाड़ियां अंबाला कैंट में, 13 गाड़ियां अंबाला शहर में और शेष गाड़ियां नारायणगढ़ और बराड़ा क्षेत्रों में तैनात हैं। त्योहारों के दौरान भीड़भाड़ वाली जगहों पर छोटी फायर गाड़ियां तैनात की जाएंगी, ताकि संकरी गलियों या भीड़भाड़ वाले इलाकों में आग लगने की स्थिति में तत्काल पहुंच और नियंत्रण संभव हो सके। दीपावली पर विशेष सतर्कता फायर अधिकारी ने बताया कि दीपावली के दौरान बाजारों में भीड़ अत्यधिक होती है, इसलिए कुछ फायर गाड़ियां प्रमुख बाजार क्षेत्रों में खड़ी रहेंगी। विभाग की कोशिश है कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में मिनटों में रेस्पॉन्स दिया जा सके। अधिकारी ने बताया कि अक्सर आग लगने की घटनाएं छतों पर रखे पुराने और ज्वलनशील कचरे के कारण होती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे छतों पर ऐसा कोई भी सामान न रखें जो पटाखों की चिंगारी से आग पकड़ सकता हो। फायर अधिकारी पंकज ने कहा कि यदि कहीं आग लगती है, तो लोग तत्काल 112 नंबर पर कॉल करें। सूचना मिलते ही नजदीकी फायर स्टेशन से टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का काम करेगी।

हरियाणा में खाद खरीदने के नियमों में बड़ा बदलाव, अब सिर्फ इन किसानों मिलेगा उर्वरक

हरियाणाः अब तक किसान आधार कार्ड के माध्यम से विभिन्न स्रोतों से उर्वरक प्राप्त कर सकते थे, लेकिन अब मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल को उर्वरक वितरण प्रणाली से जोड़ दिया गया है। इससे केवल वहीं किसान डीएपी और अन्य उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे जो इस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। 1800 बैग डीएपी वितरित, लेकिन कनीना में अब तक नहीं पहुंची सप्लाई महेंद्रगढ़ के हैफेड प्रबंधक वीरेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि उनके कार्यालय में 1800 बैग डीएपी की खेप पहुंची थी, जिसका वितरण शुक्रवार और शनिवार को दो दिनों में पूरा कर लिया गया। हालांकि, किसानों की मानें तो कनीना उपमंडल की छह पैक्स (किसान सहकारी समितियां) भी डीएपी प्राप्त करती हैं, लेकिन इस बार कनीना में अभी तक एक भी बैग नहीं पहुंचा, जिससे किसानों में गहरा रोष है। किसानों का कहना है कि उनका सीधा संपर्क पैक्स के माध्यम से होता है, लेकिन वहां भी डीएपी उपलब्ध नहीं है। किसान जसवंत सिंह, दिनेश कुमार, मनोज कुमार, सुरेश कुमार और महेंद्र सिंह ने बताया कि वे कई दिनों से पैक्स कार्यालयों और सहकारी समितियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें डीएपी नहीं मिल पा रहा। खेतों में बुआई का समय चल रहा है और डीएपी की कमी ने कृषि कार्यों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। लाइसेंस प्रक्रिया अधूरी, इसलिए नहीं मिल पा रही खादः पैक्स प्रबंधक पैक्स प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया कि अभी उनकी संस्था का लाइसेंस प्रक्रिया में है। जैसे ही लाइसेंस बन जाएगा, खाद की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने किसानों से थोड़ा धैर्य रखने की अपील की है। सरकार द्वारा किए गए नए प्रावधान के अनुसार, अब केवल 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर पंजीकृत किसान ही उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इससे वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने और वास्तविक लाभार्थियों तक खाद पहुंचाने का उद्देश्य है। हालांकि, इससे पहले से खाद की कमी झेल रहे किसानों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है।

दलहनी फसल आत्मनिर्भरता मिशनः पीएम मोदी से पूछा- मिल रहा किसान निधि जैसी योजनाओं का लाभ, हिसार के किसानों ने दिया ये जवाब

हरियाणाः रावलवास खुर्द के प्रगतिशील किसान कृष्ण कुमार और खारिया के शशि कुमार बैनीवाल ने नई दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ खेती पर चर्चा की। पीएम ने देशभर के दलहनी खेती करने वाले 20 प्रगतिशील किसानों को दिल्ली में आमंत्रित किया था। जिनमें हिसार जिला के दो प्रगतिशील किसान शामिल रहे। पीएम ने दलहन फसल आत्मनिर्भरता मिशन की शुरूआत भी की। इन किसानों को दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए चुना गया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने इन किसानों के साथ उनके अनुभव, समस्याओं और सुविधाओं को लेकर चर्चा की। पीएम मोदी ने किसानों के साथ पूसा इंस्टीट्यूट के खेत में करीब 30 मिनट तक वर्तमान खेती पर चर्चा की। पीएम ने पूछा कि वे किन फसलों की बिजाई करते हैं। उनके समक्ष क्या समस्याएं हैं। पीएम ने जाना कि पीएम फसल बीमा योजना, पीएम किसान निधि जैसी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंच रहा है या नहीं। खेती में सोलर के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि खेती में रसायनों का प्रयोग कम करना होगा। 1 एकड़ जमीन से 1 लाख रुपए चने से लेते हैं पैदावारः कृष्ण कृष्ण कुमार ने बताया कि सात साल पहले रसायनों का प्रयोग बंद कर प्राकृतिक खेती करना शुरू किया था। वह पांच एकड़ में गेहूं और चने की प्राकृतिक खेती करते हैं। रसायनों के प्रयोग से खेत में चना उगना ही बंद हो गया था। अब वे एचके 5 नंबर वेरायटी हरियाणा काबुली चना बोते हैं। यह 10 क्विंटल तक खेत में पैदा होता है। एक एकड़ से 1 लाख रुपए तक की चने से पैदावार लेते हैं। गेहूं की सी 306 वेरायटी उगाते हैं, जो 12 क्विंटल तक एक एकड़ से पैदा होती है। सात हजार रुपए क्विंटल के रेट से गेहूं बेचते हैं। 2 सब्जियों की खेती भी करते हैं ।बोरवेल के पानी से दलहनी फसलें उगनी हुई बंदः शशि

शशि दसवीं पास हैं, वे बताते हैं कि साल 2013 में एक एकड़ जमीन से चने की खेती आरंभ की थी। अब वे 13 एकड़ कर रहे हैं। बोरवेल का पानी से दलहनी फसलें उगना बंद हो गई थी। अब गांव खारिया में 400 एकड़ जमीन पर चना और 500 एकड़ के करीब मूंग की खेती होती है। चने की खेती पूरी तरह से ऑर्गेनिक तरीके से की जाती है। आगे मोठ की खेती भी शुरू की जाएगी। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कार्यक्रमों की किसानों को जानकारी देने के लिए तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। तकनीकी सत्र में जिले के विभिन्न गांवों से आए किसान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ऐसा रेलवे स्टेशन जो दो राज्यों में बंटा हुआ है, बेंच भी आधी एक राज्य में तो आधी दूसरे

नवापुर , एजेंसी। भारतीय रेलवे से रोजाना लाखों-करोड़ों लोग यात्रा करते हैं। लोकल ट्रेन से लेकर वंदे भारत जैसी ट्रेनों में यात्रियों को तमाम तरह की सुविधाएं मिलती हैं। भारत में रेल नेटवर्क इतना विशाल है कि लगभग हर जगह आपको ट्रेन की सुविधा जरूर मिल जाएगी। रेलवे से लोगों का जुड़ाव बचपन से ही शुरू हो जाता है। ऐसे में वे इसके बारे में दिलचस्प चीजों को जानने को आतुर रहते हैं। इसी तरह आज हम आपको एक ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दो राज्यों के बीच में स्थित है। खास बात यह है कि इसमें यात्रियों के बैठने की बेंच भी लगी है, जिसमें आधी बेंच एक राज्य में आती है तो दूसरी दूसरे राज्य में। इस अनोखे रेलवे स्टेशन की तस्वीर समय-समय पर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। इस खास रेलवे स्टेशन का नाम नवापुर रेलवे स्टेशन है। यह महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में बंटा हुआ है। स्टेशन में रखी बेंच पर आधे में महाराष्ट्र लिखा है तो आधे में गुजरात लिखा गया है। यह वेस्टर्न रेलवे जोन के अंतर्गत आता है और सूरत-भुसावल रेल लाइन पर स्थित है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में रेलवे स्टेशन का आधा हिस्सा है, जबकि आधा हिस्सा गुजरात के तापी जिले में है। यह रेलवे स्टेशन काफी लोकप्रिय है, क्योंकि लोग जाकर यहां तस्वीरें भी खिंचवाते हैं। रेलवे स्टेशन में हिंदी, अंग्रेजी के अलावा मराठी और गुजराती भाषा में भी अनाउंसमेंट किया जाता है, ताकि लोगों को आसानी से समझ आ सके। इसमें टिकट खिड़की और स्टेशन मास्टर का कमरा भी दोनों अलग-अलग राज्यों में बंटा हुआ है। टिकट खिड़की महाराष्ट्र में है, जबकि स्टेशन मास्टर का दफ्तर गुजरात में स्थित है।

ड्रग तस्करी के खिलाफ बीएसएफ का हल्लाबोल, पंजाब में हर दूसरे दिन एक तस्कर की गिरफ्तारी

चंगीगढ़, एजेंसी। पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। सीमा सुरक्षा बल ने जनवरी 2024 से अब तक लगभग 350 तस्करों को पकड़ा है, यानी औसतन हर दूसरे दिन एक तस्कर गिरफ्तार किया गया। बीएसएफ की टीम 553 किलोमीटर लंबी सीमा पर नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी को नाकाम करने में जुटी है। इस प्रयास में ज्यादातर गिरफ्तारियां अमृतसर, तरन तारन और फिरोजपुर जिलों में हुईं, जो ड्रोन के जरिए होने वाली तस्करी के लिए जोखिम वाले क्षेत्र माने जाते हैं। केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में बीएसएफ के ऑपरेशनल जोन को 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया था, जिससे बड़े इलाके में तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी का अधिकार मिला। हालांकि, बीएसएफ अधिकारियों का कहना है कि अधिकांश गिरफ्तारियां मूल 15 किलोमीटर के दायरे में ही हुईं। क्नस्न्न के प्रवक्ता डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल एके विद्यार्थी ने बताया, पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन और जीपीएस-आधारित डिलीवरी का उपयोग कर पकड़े जाने से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारी सतर्कता से तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने में मदद मिल रही है। साल 2024 में बीएसएफ ने 161 तस्करों को गिरफ्तार किया। इस साल 30 सितंबर तक 186 और तस्कर पकड़े गए हैं। इनमें 16 पाकिस्तानी घुसपैठिए, चार नेपाली और तीन बांग्लादेशी शामिल हैं। इस दौरान 3 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया गया। सीनियर क्नस्न्न अधिकारी ने बताया, पाकिस्तानी तस्कर भारतीय तस्करों को नाबालिगों को कूरियर के रूप में भर्ती करने के लिए कह रहे हैं, ताकि कानूनी छूट का फायदा उठाया जा सके।

बीढ़ी को लेकर झगड़ा और कुचल डाला सिर ; छत्तीसगढ़ में शख्स की बेरहमी से हत्या

रायपुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित आमनेर गांव में एक शख्स की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उसका शव एक नाले में तैरता हुआ मिला था। ये शख्स कौन था और इसकी हत्या के पीछे किन लोगों का हाथ था, पुलिस ने इसकी पूरी गुत्थी सुलझा ली है। मृतक की पहचान 26 साल के सानू पाल के रूप में हुई है। पुलिस ने इसकी हत्या के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सोनू पाल का शव इस हफ्ते की शुरुआत में गोडा पुल के पास एक नाले में तैरता हुआ मिला था। घटना गुरुवार की है। स्थानीय लोंगों ने शुक्रवार को सोनू पाल का शव नाले में तैरता हुआ देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। एनटीडीवी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस मौके पर पहुंची तो मृतक के चेहरे पर कई गहरे घाव दिखाई दिए थे। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। टीम ने पीड़ित की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की।

यूपी-बिहार जाने वाली इन ट्रेनों में दिवाली-छठ पूजा के बाद भी मारामारी, 90 दिन की वेटिंग

देहरादून, एजेंसी। त्योहारी सीजन में देहरादून आने और देहरादून से जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें पैक हो गई हैं। यूपी-बिहार से होकर गुजरने वाली इन आठ ट्रेनों में दीवाली के बाद के लिए भी सीट की मारामारी हो रही है। कुंभ एक्सप्रेस में 13 अक्तूबर तक वेटिंग चल रही है तो राप्तीगंगा एक्सप्रेस की स्लीपर में 90 तक वेटिंग लिस्ट है। छठ पूजा को लेकर भी इस ट्रेन में दिवाली के बाद सीटें नहीं मिल रही हैं। कुछ ट्रेनों के स्लीपर श्रेणी में बुकिंग बंद हो गई है। बाकी श्रेणियों में लंबी वेटिंग चल रही है। हवाई सेवाओं में भी सफर महंगा हो गया है। टिकट 30 से 60 फीसदी तक महंगे मिल रहे हैं। दून स्टेशन से जनशताब्दी, शताब्दी, वंदे भारत, मसूरी, जनता, लाहौरी, लिंक, राप्तीगंगा एक्सप्रेस ट्रेनें चलती हैं। इसमें दिल्ली की ट्रेनों को छोड़कर बाकी सभी ट्रेनें दीवाली तक पैक हो गई हैं। कुछ ही ट्रेनों में इक्का-दुक्का सीटें बची हुई है। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि त्योहारी सीजन में हर साल ट्रेनों में सीटें फुल हो जाती हैं। भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं।

कुंभ एक्सप्रेस में नहीं मिल रहा टिकट : देहरादून से हावड़ा जाने वाले कुंभ एक्सप्रेस के स्लीपर श्रेणी में 13 अक्तूबर तक वेटिंग चल रही है। इसके बाद दीवाली तक टिकट बुकिंग बंद हो गई है। हावड़ा से देहरादून आने वाली कुंभ एक्सप्रेस में भी दीवाली के बाद तक लंबी वेटिंग चल रही है। इस कारण यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। वेटिंग के कारण यात्री असमंजस में हैं कि उनकी टिकट कंफर्म हो भी पाएगी या नहीं।

राप्तीगंगा एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग : देहरादून से सप्ताह में मंगलवार और गुरुवार को गोरखपुर जाने वाली राप्तीगंगा एक्सप्रेस में भी लंबी वेटिंग चल रही है। स्लीपर में 55 से लेकर 90 तक की वेटिंग चल रही है। फर्स्ट एसी, सेकेंड एसी में भी लंबी वेटिंग है। गोरखपुर से देहरादून आने वाली राप्तीगंगा एक्सप्रेस में भी सीट के लिए मारामारी है। छठ पूजा को लेकर इस ट्रेन में दीवाली के बाद भी सीटें नहीं मिल रही हैं।

30 से 60 फीसदी तक महंगा हुआ हवाई सफर : डोईवाला। त्योहारी सीजन में हवाई सेवाओं का किराया 30 से 60 फीसदी तक महंगा हो गया है। टिकटों की मांग अत्यधिक बढ़ गई है। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि विमानन कंपनियां एयर टिकट की मांग के आधार पर टिकट का मूल्य तय करती हैं। इससे ऑफ सीजन में रहने वाले न्यूनतम किराये में वृद्धि हो गई है। दून से दिल्ली ऑफ सीजन में न्यूनतम किराया 3,859 है। यह अब 5,014 तक पहुंच गया है। मुंबई का न्यूनतम किराया 5,616 से बढ़कर अब 9,164 और बेंगलुरु का 5,599 से बढ़कर 9,539 तक पहुंच गया है। अहमदाबाद का 4,499 से बढ़कर 7,465 और लखनऊ का न्यूनतम किराया 4,175 से बढ़कर 6,523 हो गया है।

'जनता' की स्लीपर श्रेणी में दीवाली तक बुकिंग बंद : दून से वाराणसी जाने वाली जनता एक्सप्रेस के स्लीपर श्रेणी में दीवाली तक बुकिंग बंद हो गई है। बाकी श्रेणियों में लंबी वेटिंग है। वाराणसी से दून आने वाली जनता में 15, 16, 17 व 18 को आरएसी में टिकट मिल रही है। बाकी श्रेणियों में इक्का-दुक्का सीटें खाली हैं।

रोडवेज की वॉल्वो बसें खाली : रोडवेज की वॉल्वो में भी यात्री सफर करना पसंद करते हैं। देहरादून से दिल्ली के लिए रोजाना 23 नॉन स्टॉप वॉल्वो सेवाएं चलती हैं, लेकिन सभी वॉल्वो सेवाओं में दीवाली तक सीटें खाली हैं। यात्री किसी भी बस में ऑनलाइन सीट बुक करा सकते हैं। रोडवेज के महाप्रबंधक (संचालन) क्रांति सिंह ने बताया कि बसों में त्योहार के दो दिन पहले से भीड़ बढ़ती है, अब धीरे-धीरे यात्री बढ़ने शुरू हो गए हैं। दीवाली तक सभी बसें पैक हो जाएंगी। अधिकारियों को बसों के अतिरिक्त फेरे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

जंगली सुअर का मांस खाने की अनुमति दी जाए, इस राज्य के मंत्री की केंद्र से मांग

तिरुवंतपुरम, एजेंसी। केरल सरकार के कृषि मंत्री पी.प्रसाद ने जंगली सुअर का मांस खाने की अनुमति दी जाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि अगर इसकी अनुमति दी जाती है तो इन जानवरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है वह बहुत कम हो जाएगा, इसके बाद फिर इनसे और भी बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। प्रसाद ने कहा कि जंगली सुअर कोई लुप्तप्राय जाति नहीं है इसलिए इसका मांस खाने की अनुमति देने में कोई बाधा नहीं है। प्रसाद ने अलप्पुझा जिले की पालामेल ग्राम पंचायत द्वारा एक कार्यक्रम में स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि ऐसा हो लेकिन केंद्रीय कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। उन्होंने दावा किया, मेरी राय में, लोगों को खेतों में मारे गए जंगली सूअरों का मांस खाने की अनुमति दी जानी चाहिए। अगर लोगों को जंगली सूअरों को मारने और उनका मांस खाने की अनुमति दी जाए, तो इस मुद्दे का समाधान बहुत तेजी से हो सकता है। लेकिन मौजूदा कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। गौरतलब है कि प्रसाद की यह टिप्पणी केरल विधानसभा द्वारा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में संशोधन के लिए एक विधेयक पारित किए जाने के कुछ

दिनों बाद आई है। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करना है। आपको बता दें भारत में जंगली सुअर को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तरह सूची तीन में रखा गया है। इसका मतलब है कि यह एक प्रोटेक्टेड स्पीसीज है। इस वजह से इसका बिना अनुमति शिकार करना, मारना या उसका मांस रखना अवैध है। ऐसा करने पर तीन साल तक की जेल, 25 हजार का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। हालांकि यह मामला सभी जगह एक जैसा नहीं है। कई राज्यों, जैसे की केरल, बिहार, उत्तराखंड ने इसे हानिकारक जीव की श्रेणी में रखा है। इन राज्यों के स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की अनुमति के साथ इसे मारना कानूनी है। हालांकि इसके बाद भी इसका मांस बेचना या रखना कानूनी नहीं होता। जंगली सुअर को लेकर कई तरह की भ्रांतियां और कानूनी डर फैला रहता है। इसलिए भी लोग इसका मांस खाने से बचते नजर आते हैं।

जयपुर में रिटायर्ड बैंककर्मी ने पत्नी-बेटे संग खाया ज़हर, अंग्रेजी में छोड़ा सुसाइड नोट

जयपुर , एजेंसी। राजधानी के करणी विहार थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक रिटायर्ड बैंककर्मी, उसकी पत्नी और बेटा मृत पाए गए। परिवार किराए के मकान में रह रहा था। मकान मालिक ने बताया रूपेंद्र शर्मा रोज सुबह 5 बजे उठ जाते थे, पानी भरते और साफ-सफाई करते थे। आज जब सुबह 8 बजे तक दरवाजा नहीं खुला तो कुछ गड़बड़ का एहसास हुआ। करीब दो साल से रामगोपाल शर्मा के मकान में रहने वाला यह परिवार बेहद शांत और सादा जीवन जी रहा था। किसी से झगड़ा नहीं, कोई विवाद नहीं। लेकिन शनिवार की सुबह उस घर के भीतर जो दृश्य मिला, उसने पूरे मोहल्ले को हिला दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। गेट अंदर से बंद था, लेकिन मेन गेट खुला मिला। गेट तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई तो मेन गेट के पीछे बेटे पुलकित (32) की लाश मिली। हॉल में रूपेंद्र शर्मा (63) का शव था और कमरे में पत्नी सुशीला शर्मा (58) मृत पड़ी मिलीं। तीनों ने विषाक्त पदार्थ खाने की आशंका जताई गई है। कमरे के टेबल पर एक पन्ने का अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट मिला। उसमें एक परिचित व्यक्ति पर परेशान करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने नोट को जब्त कर लिया और उसी के आधार पर परिजनों की रिपोर्ट दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक, रूपेंद्र शर्मा राजस्थान बैंक में अकाउंटेंट थे। कुछ साल पहले उन्होंने वीआरएस ले ली थी। पत्नी सुशीला हाउसवाइफ थीं और बेटा पुलकित एक निजी बैंक में नौकरी करता था। पुलिस का कहना है कि रूपेंद्र लंबे समय से मानसिक दबाव में थे। परिजनों ने भी बताया कि एक परिचित के साथ किसी विवाद ने उन्हें गहरे तनाव में डाल दिया था। मकान मालिक रामगोपाल शर्मा ने बताया, पूरा परिवार बेहद अच्छा था। रूपेंद्र जी रोज सुबह 5 बजे उठते, पानी भरते, घर साफ करते। उनकी आदतें इतनी नियमित थीं कि जब आज सुबह दरवाजा बंद मिला तो दिल बैठ गया। फोन किया, आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पड़ोसी बताते हैं कि पुलकित शांत स्वभाव का युवक था। काम से लौटने के बाद कभी-कभी बच्चों से खेलता या माता-पिता के साथ टहलने निकलता। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

दोषी चाहे जो हो, बख्शेंगे नहीं; आईपीएस पूरन सुसाइड केस में पहली बार बोले सीएम नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के सीनियर आईपीएस अफसर वाई पूरन कुमार सुसाइड केस में पहली बार मुख्यमंत्री नायब सैनी का बयान आया है। आज पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा। अगर किसी व्यक्ति को कोई तंग करेगा तो सरकार उसे नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। विपक्ष को ऐसे मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। परिवार के साथ अन्याय हुआ है तो न्याय देने का काम हमारी सरकार करेगी। वहीं, शुक्रवार रात को सीएम हाउस में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, चीफ सेक्रेटरी अनुराग रस्तोगी, होम सेक्रेटरी डॉ. सुमिता मिश्रा और आईएएस अफसर राज शेखर वुंडरू से मीटिंग की थी।

सूत्रों के मुताबिक हरियाणा सरकार डीजीपी शत्रुजीत कपूर को हटा सकती है। इस मामले में रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को हटा दिया गया। उनकी जगह सुरेंद्र सिंह भौरिया को एसपी बनाया गया है। वाई पूरन कुमार का पोस्टमॉर्टम आज भी नहीं हो पाया। डॉक्टर्स, फोरेंसिक एक्सपर्ट्स और वीडियोग्राफी टीम चंडीगढ़ पीजीआई की मॉर्च्युरी में पहुंची, लेकिन परिवार का कोई सदस्य नहीं आया। चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर का कहना है कि परिवार की सहमति के बाद ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। उनका इंतजार किया जा रहा है। वहीं, पूरन कुमार के परिवार और अनुसूचित समाज ने 31 सदस्यीय कमेटी बनाई है। कमेटी का कहना है कि जब तक हरियाणा के डीजीपी कपूर और एसपी नरेंद्र बिजारणिया अरेस्ट नहीं हो जाते, तब तक परिवार पोस्टमॉर्टम नहीं कराएगा। कल दोपहर 2 बजे चंडीगढ़ के सेक्टर-20 स्थित गुरु रविदास गुरुद्वारे में महापंचायत होगी।

परिवार का आरोप : शनिवार सुबह डेडबॉडी चंडीगढ़ के सेक्टर-16 गवर्नमेंट अस्पताल से पीजीआई शिफ्ट की गई थी। परिवार ने आरोप लगाया था कि उनकी मर्जी के खिलाफ डेडबॉडी जबरदस्ती पीजीआई ले गए। चंडीगढ़ के डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा और आईजी पुष्पेंद्र कुमार सेक्टर 24 स्थित अमनीत पी कुमार के सरकारी आवास पर आए और करीब 45 मिनट बात की। डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा ने कहा कि हमने परिवार के सदस्यों से बात की और उनसे जल्द से जल्द पोस्टमार्टम करवाने का अनुरोध किया। उनकी कुछ शिकायतें हैं और हम उन पर काम कर रहे हैं। जांच चल रही है। एसआईटी का गठन किया गया है और आईजी इसका नेतृत्व कर रहे हैं। परिवार की सहमति के बाद ही पोस्टमार्टम होगा। डॉक्टरों का पैनल बनाकर पोस्टमार्टम किया जाएगा। परिवार ने अभी पोस्टमार्टम को लेकर सहमति नहीं दी है।

सड़कों पर उतरे लोग : हरियाणा कैडर के सीनियर आईपीएस ऑफिसर वाई पूरन कुमार के सुसाइड मामले ने तूल पकड़ लिया है। लोग सड़कों पर उतर आए हैं। आज कांग्रेस ने प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। वहीं, अनुसूचित जाति वर्ग ने भी रोष जताया।

दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है नेतन्याहू, इजरायली पीएम पर भड़के ओवैसी, बोले- अल्लाह देख लेगा

हैदराबाद, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है नेतन्याहू, इजरायली पीएम पर भड़के ओवैसी, बोले- अल्लाह देख लेगा हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर शनिवार को जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने इजरायली पीएम को दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा करार देते हुए कहा कि उन्हें अल्लाह देख लेगा। ओवैसी ने पीएम मोदी द्वारा इजरायल-गाजा शांति समझौते पर किए गए पोस्ट का जिक्र करते हुए नेतन्याहू पर निशाना साधा। ओवैसी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और नेतन्याहू की लीडरशिप की तारीफ की। नेतन्याहू दुनिया का सबसे बड़ा गुंडा है, जिसने 65 हजार लोगों को मार दिया, 20 हजार बच्चे हैं। 12 लाख लोग बेघर हो गए और पीएम उसकी लीडरशिप की तारीफ कर रहे हैं। आखिर क्यों उसकी तारीफ कर रहे हैं? आप तो भारत के प्रधानमंत्री हैं। हम इस बात की निंदा करते हैं जो पीएम मोदी ने नेतन्याहू की लीडरशिप की तारीफ की। अल्लाह देख लेगा नेतन्याहू को इंशाअल्लाह। एआईएमआईएम प्रमुख ने आगे कहा, पीएम उसकी तारीफ कर रहे हैं, कहीं न कहीं ऊपर जाकर कोई तार मिलता है। ऐसे आदमी (नेतन्याहू) के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट ने वॉरंट जारी किया।

हिंदुत्व के लोग बोलेंगे ओवैसी क्या बोल रहा। अरे सुनो, कुलभूषण जो पाकिस्तान की जेल गए, उसे सजा-ए-मौत देना चाहते थे तो भारत इंटरनेशनल कोर्ट गया और उसकी सजा रुकवाई। ओवैसी ने पीएम मोदी के जिस पोस्ट का जिक्र किया, उसमें प्रधानमंत्री ने लिखा था कि राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के तहत हुई प्रगति पर बधाई देने के लिए अपने मित्र, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को फोन किया। हम बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता बढ़ाने पर हुए समझौते का स्वागत करते हैं। इस बात पर जोर दिया कि दुनिया में कहीं भी किसी भी रूप या स्वरूप में आतंकवाद अस्वीकार्य है। इसके अलावा, पीएम मोदी ने ट्रंप को लेकर भी एक्स पर पोस्ट किया था।

यूपी के छह आईटीआई में प्रिंसिपल का होगा डिमोशन, अनुदेशक बनाए जाएंगे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के छह राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रधानाचार्यों को अनुदेशक के पद पर पदावनत किया जाएगा। दूरस्थ शिक्षा से बीटेक की डिग्री हासिल करने वाले इन अनुदेशकों ने गलत ढंग से प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नति पाई थी। प्रशिक्षण निदेशालय की ओर से व्यावसायिक शिक्षा विभाग को इन सभी छह प्रधानाचार्यों को पदावनत कर फिर से अनुदेशक बनाए जाने का प्रस्ताव भेज दिया गया है। कोर्ट के निर्देश पर प्रशिक्षण निदेशालय की ओर से यह कार्रवाई की गई है। जिन छह जिलों की आईटीआई के प्रधानाचार्य फिर से अनुदेशक के पद पर पदावनत होंगे उनमें चंदौली, मेरठ, बदायूं, संतकबीरनगर, बागपत और कासगंज शामिल है। निदेशक अभिषेक सिंह की ओर से व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव को इस संबंध में प्रस्ताव भेज दिया गया है। गलत ढंग से पदोन्नति पाने की शिकायत की गई थी और 18 प्रधानाचार्यों को शक के घेरे में लिया गया था। अब जांच के बाद इसमें से छह को अनुदेशक के पद पर पदावनत किया जाएगा। आईटीआई में बदलने वाला है छात्रों की ट्रेनिंग का तरीका उत्तर प्रदेश के आईटीआई में अब छात्रों की ट्रेनिंग का तरीका पुराने ढर्रे की मशीनों और पाठ्यक्रमों से आगे बढ़कर आधुनिक उद्योगों के अनुरूप होने वाला है। केंद्र सरकार की योजनाओं 'नेशनल स्कीम फार अपग्रेडेशन ऑफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट' और 'नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किलिंग' के तहत यह काम किया जाना है। मिली जानकारी के अनुसार व्यवसायिक शिक्षा और कौशल विकास व उद्यमशीलता विभाग ने इसके लिए राज्य स्तरीय संचालन समिति गठित कर दी है। दक्ष वाहन चालक तैयार करने को होगी पहल अच्छे ड्राइवर तैयार करने के लिए यूपी के आईटीआई में मॉडर्न ट्रेनिंग स्कूल भी स्थापित किए जाएंगे। इनमें विद्यार्थी आसानी से वाहन चलाना सीख सकेंगे। यहां थ्री-डी ड्राइविंग सिम्युलेटर की मदद से उन्हें हल्के और भारी वाहन चलाने की बारीकियां सिखाई जाएंगी।

झगड़े के बाद पति ट्रेन के आगे कूदा, पत्नी ने भी दी जान; 3 महीने की बच्ची अनाथ

फिरोजाबाद , एजेंसी। यूपी के फिरोजाबाद में मटसेना थाना क्षेत्र में करवाचौथ की अगली सुबह शनिवार को पति ने घर से डेढ किमी दूर रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर जान दे दी। उधर, पति की मौत की सूचना पाकर पत्नी ने भी घर में आत्महत्या कर ली। हालांकि महिला के मायके वालों का आरोप है कि महिला की हत्या की गई है। परिजनों ने बताया कि महिला ने सोलह श्रृंगार कर पति के लिए व्रत रखा था। पूजन किया, लेकिन देर रात पति-पत्नी में झगड़ा हो गया था। थाना मटसेना के दबरई निवासी प्रमोद कुमार (28) पुत्र नेत्रपाल का उसकी पत्नी निशा (26) से शुक्रवार को करवाचौथ की रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद ज्यादा बढ़ने पर पति शनिवार सुबह घर से निकल गया। सुबह करीब 9 बजे उसने गांव से डेढ़ किमी दूर दौकेली से गुजर रही ट्रेन से कटकर जान दे दी। करीब एक घंटे के बाद प्रमोद की पहचान हो सकी। उधर, पति की मौत की सूचना जब सुबह करीब 11 बजे निशा को मिली तो उसने भी जान दे दी। परिवार वालों ने बताया कि प्रमोद की दो साल पहले जसराना के मुस्तफाबाद के बहत निवासी निशा से शादी हुई थी। निशा ने तीन महीने पहले बच्ची को जन्म दिया था। पति से अनबन पर निशा एक महीने पहले मायके चली गई थी। वह करवाचौथ वाले दिन ही ससुराल आई थी। प्रमोद कांच फैक्ट्री में काम करता था। परिवार आर्थिक तंगी से भी गुजर रहा था। सीओ सदर चंचल त्यागी ने बताया कि पति और पत्नी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। निशा के मायकेजनों ने जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगी।

मायके वालों का आरोप, निशा को जहर दिया : मटसेना क्षेत्र में करवाचौथ पर पति पत्नी के विवाद के बाद पति द्वारा ट्रेन के आगे कूदकर जान देने और पत्नी का कमरे के अंदर शव मिलने पर पति कि वियोग में आत्महत्या करने की बात सामने आई थी। पुलिस को लोगों ने फांसी लगाने की बात कही लेकिन मायके वालों ने बेटी को जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया। कमरे से जहर की शीशी मिलने की बात भी कही। पुलिस ने जहर खाने के आरोप को भी जांच में शामिल करते हुए विवाहिता का विसरा भी प्रजर्व कराया है। पीएम में गले पर निशान दिखा लेकिन फंदे पर लटकना नहीं पाया। करवाचौथ की रात हुए विवाद के बाद थाना मटसेना के दबरई निवासी प्रमोद कुमार (28) ने गांव के पास से गुजर रही ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी तो वहीं उसकी पत्नी निशा (26) से पति की मौत की सूचना पर जान दे दी। विवाहिता द्वारा आत्महत्या करने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो निशा का शव कमरे में पड़ा मिला। उसके हाथों पर मेहंदी रची हुई थी और वह करवाचौथ को लेकर पूरा श्रृंगार किए हुई थी। थानाध्यक्ष विमिलेश त्रिपाठी ने पुलिस के साथ पहुंचकर आसपास के लोगों ने बातचीत की तो लोगों ने बताया कि दोनों के बीच शुक्रवार को कई बार विवाद हुआ था और शनिवार की सुबह भी विवाद होने पर पति आत्महत्या करने चला गया था।

मायके वालों को नहीं दी थी सूचना : मायके वालों ने पहुंचकर पुलिस को बताया कि उसकी बेटी की जहर देकर हत्या की गई है। मायके वालों का आरोप है कि बेटी और दामाद की मौत की सूचना तक उनको नहीं दी गई थी। उनकी बेटी की पहले पति ने जहर देकर हत्या की है और फिर पति ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली है। ससुरालियों के खिलाफ निशा के पिता ने थाने में तहरीर भी दी है।

सास करती थी निशा को परेशान : निशा के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी सास उसे परेशान करती थी। वह दबरई स्थित नरसरी में काम करती है। सास ने मकान को गिरवी रखवा दिया था। शादी में दी गई बाइक तक गिरवी रखी थी। सास अपने बेटे से कहती थी कि निशा को छोड़ दे और दूसरी शादी कर ले। तीन महीने पहले जब निशा ने बेटी को जन्म दिया तो उसने ही सारा खर्चा उठाया था। बेटी को परेशान करने के चलते ही वह एक महीने से मायके में थी। लगातार फोन करने पर निशा अपनी तीन माह की बेटी को मायके में छोड़कर पति के पास करवाचौथ को लेकर आ गई थी। उसकी बेटी की जहर देकर हत्या कर दी फिर खुद ट्रेन के आगे कूद गया। अब निशा की तीन माह की बेटी को लेकर मायके वाले परेशान हैं कि उसका लानन पालन कैसे होगा।

भारत/वेस्ट इंडीज दूसरे टेस्टः वेस्टइंडीज के खिलाफ सूपड़ा साफ करने से भारत 58 रन दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 63/1 रन बनाए हैं और अब जीत से सिर्फ 58 रन दूर है। केएल राहुल 25* और साई सुदर्शन 30* रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्ट इंडीज ने भारत को जीत के लिए 121 रन का टारगेट दिया है।

भारत ने अपनी पहली पारी 518/5 घोषित की थी और वेस्ट इंडीज ने पहली पारी में 248 रन बनाए। इसके बाद भारत ने फॉलो-ऑन देते हुए वेस्ट इंडीज को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए भेजा। वेस्ट इंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाए, जिसमें जॉन कैम्पबेल ने 115 और शाई होप ने 103 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया।

जॉन कैम्पबेल और शाई होप ने तीसरे विकेट के लिए 177 रनों की साझेदारी कर भारत की जीत को चुनौती दी। कैम्पबेल का यह टेस्ट करियर का पहला शतक था। शाई होप ने आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया।

भारतीय गेंदबाजों में कुलदीप यादव ने 5 विकेट, जसप्रीत बुमराह ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए। रनचेज़ में भारतीय टीम की शुरुआत यशस्वी जायसवाल (8 रन) के जल्दी आउट होने से थोड़ी धीमी रही, लेकिन केएल राहुल और साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी कर भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने 5 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जयसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट पर 518 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

भारत की पहली पारीः जायसवाल और शुभमन का कमाल

पहले दिन भारत के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी जोड़ी यशस्वी जायसवाल (175) और केएल राहुल (36) ने ठोस शुरुआत दी। इसके बाद साई सुदर्शन (87) ने जायसवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 193 रनों की साझेदारी की।

जायसवाल का शतक 145 गेंदों में आया, जबकि शुभमन गिल ने 196 गेंदों पर नाबाद 129 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

नीतीश रेड्डी (43) और ध्रुव जुरेल (44) ने भी तेज पारी खेली। भारत ने 134.2 ओवर में 518 रन बनाकर पारी घोषित की।

वेस्टइंडीज की पारीः फिरकी में फंसे बल्लेबाज

जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत निराशाजनक रही। ओपनर जॉन कैम्पबेल (10) जल्दी आउट हुए। तेजनारायण चंद्रपॉल (34) और एलिक अथानाज (41) ने थोड़ी देर प्रतिरोध किया, लेकिन जडेजा ने दोनों को चलता किया।

कप्तान रोस्टन चेज़ बिना खाता खोले आउट हुए। दिन के अंत में शाई होप (31)* और टेविन इमलाच (14)* नाबाद रहे।

भारत की नजर 10वीं सीरीज जीत पर

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली 9 टेस्ट सीरीज में एक भी हार नहीं झेली है। 2002 के बाद से कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। दिल्ली के इस मैदान पर जडेजा का प्रदर्शन एक बार फिर चर्चा में है – याद दिला दें, 2023 में इसी पिच पर उन्होंने एक पारी में 7 विकेट (7/42) और पूरे मैच में 10 विकेट झटके थे।

जिद ने दिलाया खिताब, कोको गॉफ ने पेगुला को हराकर जीता वुहान ओपन फाइनल

स्पोर्ट्स डेस्क । अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने रविवार को अपने हमवतन जेसिका पेगुला को 6-4, 7-5 से हराकर वुहान ओपन 2025 का खिताब अपने नाम किया। 21 वर्षीय गॉफ ने इस टूर्नामेंट में बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता और ओपन एरा में ऐसी पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अपने शुरुआती 9 हार्ड कोर्ट फाइनल लगातार जीते।

गॉफ ने मैच के बाद बताया कि उनकी 'ज़िद' ने उन्हें जीत दिलाई, 'मेरे कोच चाहते थे कि मैं यूएस ओपन के बाद आराम करूं, लेकिन मैं जिद्दी हूं... और मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया!'

कोको ने कहा कि चीन आकर खेलने का उनका फैसला सही साबित हुआ, 'यह एशियन स्विंग शानदार रहा। बीजिंग में सेमीफाइनल तक पहुंची और अब यहां खिताब जीतना वाकई खास है।'

गॉफ और पेगुला कभी डबल्स पार्टनर रह चुकी हैं। इस ऑल-अमेरिकन फाइनल में गॉफ ने कई बार पिछड़ने के बावजूद वापसी की। उन्होंने लगातार 10 अंक जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। पेगुला ने भी गॉफ की तारीफ करते हुए कहा, 'कोको के साथ फाइनल खेलना शानदार अनुभव रहा। वह जबरदस्त फाइटर हैं।'

31 वर्षीय पेगुला ने हाल के हफ्तों में बीजिंग और वुहान दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि एशियाई टूर की गर्मी और थकान के बावजूद यह उनका सबसे अच्छा फॉर्म रहा है।

गॉफ ने अब तक अपने करियर का तीसरा WTA 1000 खिताब जीता है और उनकी फॉर्म आने वाले सीज़न के लिए इंगित करती है कि वह अभी लंबी दौड़ में हैं।

लगातार दूसरी हार से निराश हरमनप्रीत बोली, हम वापसी करेंगे

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप मैच में 300 से अधिक रन बनाने के बाद भी मिली हार पर निराशा जताई है। हरमनप्रीत ने साथ ही कहा कि केवल दो मैचों में मिली हार से विश्वकप अभियान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इन दोनो ही मैचों में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा हालांकि उसे जीत नहीं मिल पायी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने 330 रनों का विशाल स्कोर बनाया था पर फिर भी वह उसका बचाव नहीं कर पायी। इस मैच में भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने कहा कि दो मैचों की विफलता से कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है और टीम एक बार फिर जीत के साथ वापसी करेगी। हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमारी शुरुआत जिस तरह की हुई थी, उससे हम 30 से 40 रन और बना सकते थे पर अंतिम 6 से 7 ओवरों में हमने लगातार विकेट गंवा दिये। बल्लेबाजी के लिए अच्छे विकेट का लाभ नहीं उठा पाने के कारण ऐसा हुआ। सलामी बल्लेबाजों ने काफी अच्छी शुरुआत दी थी पर बीच के ओवरों में हम उसका ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाये हालांकि निचले क्रम का प्रदर्शन अच्छा रहा। हरमनप्रीत ने कहा, अगले कुछ मैच बहुत अहम हैं और इस मैच से कई सकारात्मक बातें सामने आई हैं। हम बैठकर उस पर बात करेंगे। इस संयोजन से हमें पहले भी सफलता मिली है। वहीं भारतीय टीम को पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच भी भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शुरुआती विकेट काफी कम रनों पर गंवा दिये थे पर उसके बाद निचले क्रम ने उसे लक्ष्य तक पहुंचा दिया था।

मोहम्मद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के बादशाह बने, ब्लेसिंग मुजरबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 2025 में टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने यह उपलब्धि वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के चौथे दिन हासिल की, जब उन्होंने शाई होप (103 रन) को आउट किया।

सिराज ने इस साल अब तक आठ टेस्ट मैचों में 37 विकेट झटके हैं। उन्होंने 1,575 गेंदें (262.3 ओवर) फेंकीं, जिनमें 39 मेडन ओवर शामिल रहे। उनका गेंदबाजी औसत 26.91, इकॉनमी रेट 3.79 और स्ट्राइक रेट 42.56 रहा। सिराज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देकर 6 विकेट का है। उन्होंने दो बार चार विकेट और दो बार पाँच विकेट हासिल किए हैं।

दूसरी ओर, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने नौ मैचों में 36 विकेट लिए हैं। उन्होंने 1,660 गेंदें (276.4 ओवर) फेंकीं और 28.63 की औसत से विकेट झटके। उनका इकॉनमी रेट 3.72 और स्ट्राइक रेट 46.11 रहा, जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट का था।

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन, मेहमान टीम ने 252/3 के स्कोर से दूसरे सत्र की शुरुआत की थी। शाई होप ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया, लेकिन जल्द ही 103 रन पर आउट हो गए। इसके बाद कुलदीप यादव ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके रोस्टन चेज (40) और खैरी पियरे (0)।

विंडीज की टीम 300 रन तक पहुंची, लेकिन जल्द ही वारिकन (3) और फिलिप्स (2) भी आउट हो गए। दिन के अंत में मेहमान टीम 93 ओवर में 311/9 पर संघर्ष कर रही थी, जबकि जस्टिन ग्रीव्स (5*) और जोमेल वारिकन (0*) क्रीज पर टिके रहे। सिराज के शानदार प्रदर्शन ने न केवल भारत को मज़बूत स्थिति में ला दिया है, बल्कि उन्हें 2025 का टेस्ट विकेट किंग भी बना दिया है।

जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत की चोटी की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को योकोहामा में जापान ओपन फाइनल में मिस्र की हया अली को चार गेम में हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। विश्व की पूर्व नंबर 10 भारतीय महिला खिलाड़ी ने 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी चैलेंजर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी को 38 मिनट में 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 117वें स्थान पर काबिज चिनप्पा ने सेमीफाइनल में मिस्र की चौथी वरीयता प्राप्त राणा इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से हराया था। इस बीच मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह रविवार को रेडवुड सिटी (अमेरिका) में चल रहे 130,500 डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड इवेंट सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड ऑफ 16 के मैच में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के विक्टर क्रूइन से 4-11, 2-11, 1-11 से हार गए।

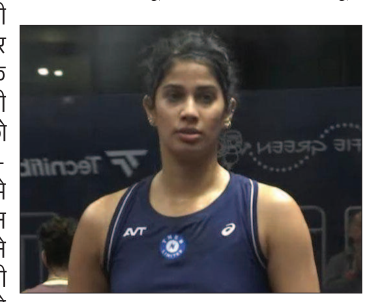

पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का दावा, अभिषेक को 3 से 6 गेंदों में ही आउट कर दूंगा

लाहौर । एशिया कप क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोधी टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पाकिस्तान के एक गेंदबाज ने चुनौती दी है। पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का एक वीडियो आया है। इसमें इस गेंदबाज ने कहा है कि अगर उसे अवसर मिले तो वह 3 से 6 गेंदों में ही अभिषेक को आउट कर सकता है। उसने इसके लिए अपनी योजना भी बतायी है। इहसानुल्लाह को एशिया कप में पाकिस्तान की टीम में जगह नहीं मिली थी। इस गेंदबाज ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रवेश किया है। इस गेंदबाज ने पाक के लिए एक एकदिवसीय और 4 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने एशिया कप के सात मैचों में करीब 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड भी है। वहीं पाक सुपर लीग में 152.65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने के लिए मशहूर हुए इहसानुल्लाह के अनुसार वह अभिषेक का विकेट ले सकते हैं। वायरल वीडियो में इहसानुल्लाह कहते नजर आ रहे हैं, 'अगर मुझे भारत के खिलाफ खेलने का मौका मिला तो मैं अभिषेक का विकेट 3 से 6 गेंदों के बीच ले लूंगा।' साथ ही कहा, 'मेरी 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उसे 160 जैसी लगेगी। वह उनकी तेजी का अंदाजा नहीं लगा पाएगा। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों को इनस्विंगर करता हूं, और उसे ऐसी गेंदों से परेशानी होती है। इसीलिए मैं ऐसा कह रहा हूं। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाजों के दाएं कंधे पर अपनी बाउंसर फेंकता हूं। जिससे खेलना कठिन हो जाता है।' भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच अगला मुकाबला टी20 विश्वकप 2026 में खेला जाएगा, अब देखना होगा कि इमसें इहसानुल्लाह पाक टीम में जगह मिलती है या नहीं।

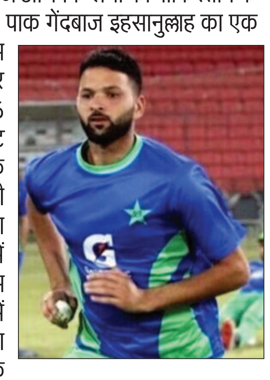

हरभजन सिंह को उम्मीद, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट कोहली कम से कम इतने शतक लगाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में वापसी पर खुशी जताई और उम्मीद जताई कि 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वह कम से कम दो शतक जड़ेंगे। विराट रोहित शर्मा के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से बाहर होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे।

टी20 और टेस्ट मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी किसी उत्सव से कम नहीं लग रही है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में, जहां उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। शुभमन गिल के नए वनडे कप्तान बनने और अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और तिलक वर्मा जैसी कई नई प्रतिभाओं के साथ उन्हें 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की दौड़ में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट से पहले उनकी उम्र क्रमशः 39 और 40 वर्ष होगी।

हरभजन ने कहा कि विराट उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो बड़े मौकों पर शानदार प्रदर्शन करते हैं और यही बात उन्हें

दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'वह बड़े मौकों और दबाव वाले मैचों का इंतजार करता है और तभी वह दिखाता है कि वह चैंपियन क्यों है। जब आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तभी आप सम्मान अर्जित करते हैं और उसने यह सम्मान अर्जित किया है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने और टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद। यही वो चुनौतियां हैं जिनका वह बेसब्री से इंतजार करता है। ऑस्ट्रेलिया उसका पसंदीदा शिकारगाह है और अब वह आईपीएल के बाद वापसी कर रहा है। मैं उसे उन तीन वनडे मैचों में बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि उन तीन में से वह भारत के लिए कम से कम दो शतक लगाएगा।'

हरभजन ने विराट को फिटनेस गुरु भी कहा और आग्रह किया कि इस स्टार बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई सवाल या चिंता न उठाई जाए। उन्होंने आगे कहा, 'वह फिट हैं, शायद उनके साथ खेलने वाले कई खिलाड़ियों से ज़्यादा फिट। आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह यकीनन सबसे फिट खिलाड़ी हैं। अब मैं विराट को फिर से खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। प्रशंसकों ने उन्हें देखना मिस किया है, और निजी तौर पर मैं उन्हें कुछ और समय तक वनडे इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलते देखना पसंद करूंगा क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ है। जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, तो मुझे सचमुच लगा कि उनमें अभी भी 4-5 साल बाकी हैं, न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि दबदबा बनाने के लिए भी, क्योंकि वह उस तरह के बल्लेबाज हैं।'

इस स्पिनर ने विश्वास जताया कि विराट ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर अपनी ÷दमदार÷ दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें पहले भी उन परिस्थितियों में ढेरों रन बनाते देखा है, और मुझे विश्वास है कि वह फिर से ऐसा करेंगे। रोहित के लिए भी यही बात लागू होती है, मैं इन दोनों दिग्गजों को भारत के लिए बड़े स्कोर बनाते और टीम को मैच जिताने में मदद करते देखने के लिए उत्सुक हूं।'

विराट का रिकॉर्ड

विराट वनडे में भारत के दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 302 मैचों और 290 पारियों में 57.88 की औसत और 93 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 14,181 रन बनाए हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। इस साल सात वनडे मैचों में, इस सुपरस्टार ने सात पारियों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 100* है।

विराट का ऑस्ट्रेलियाई खेल परिस्थितियों से भी पुराना नाता है। उन्होंने 29 वनडे मैचों में 51.03 की औसत और 89 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,327 रन बनाए हैं, जिसमें 29 पारियों में 5 शतक और 6 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 133* है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी आखिरी पांच पारियां 54, 56, 85, 54 और 84 हैं। ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी पांच पारियां 104, 46, 21, 89 और 63 हैं।

इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, अपने पहले टेस्ट शतक के बाद बोले कैंपबेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सोमवार को यहां अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद भावुक हो गए और कहा कि समझदारी से शॉट चयन करना उनके लिए कारगर रहा। फॉलोऑन खेलने के बाद कैंपबेल (155 रन, 199 गेंद में) और शाई होप (103 रन, 214 गेंद में) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने शानदार वापसी करते हुए मैच को पांचवें दिन तक खिंचने में सफल रहे। कैंपबेल ने कहा, 'इस पारी में मेरा शॉट चयन काफी सधा हुआ था। मुझे स्वीप खेलने में हमेशा से मजा आता है। शुक्र है, यह मेरे लिए कारगर रहा।' वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाये और भारत को 121 रनों का लक्ष्य दिया। स्टंप्स के समय भारत 2-0 की क्लीन स्वीप से 58 रन दूर था। कैम्पबेल इस तरह 23 साल बाद भारत में टेस्ट शतक बनाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज बन गये। उनसे पहले वेवेल हाइंड्स ने 2002 में ईडन गार्डन्स में शतक बनाया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रविंद्र जडेजा की गेंद पर लांग ऑन पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने छक्का लगाकर शतक पूरा करने के बारे में पूछ जाने पर कहा, 'इस गेंद से पहले मैंने देखा कि जडेजा मिड-ऑन के क्षेत्ररक्षक को करीब बुला रहे है। ऐसे में मैंने क्षेत्ररक्षक के ऊपर से शॉट खेलने का मन बनाया।' उन्होंने कहा, 'मैं दूसरी पारी में टीम के लिए योगदान देकर खुश हूं।'

डेनमार्क ओपन में लक्ष्य सेन, चिराग-सात्विक की जोड़ी करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

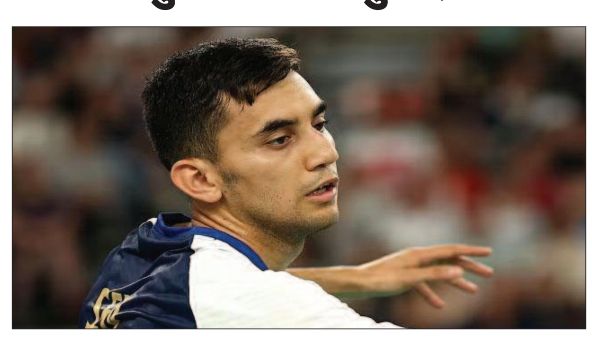

नई दिल्ली। लक्ष्य सेन और देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मंगलवार से शुरू हो रहे डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। लक्ष्य सेन ने पिछले साल पेरिस 2024 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उसके बाद से वह सीजन अब तक 10 बार पहले दौर से बाहर हो चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले महीने हांगकांग ओपन में रहा, जहां वे उपविजेता रहे। पुरुष एकल वर्ग में सेन के साथ आयुष शेट्टी भी होंगे। इस साल की शुरुआत में आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल स्पर्धा का खिताब जीता था। पुरुष युगल ड्रॉ में छठी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता रहने के बाद अपने हालिया प्रदर्शन को और बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हैं। अनमोल खरब महिला एकल वर्ग में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं और पिछले हफ्ते आकर्टिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। मिश्रित युगल में भारत की चुनौती का नेतृत्व ओलंपियन तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला करेंगे। महिला युगल में भारत के लिए कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी मैदान में उतरेगी।

पाकिस्तान की हॉकी खिलाड़ियों को सलाह, भारतीय खिलाड़ियों के साथ टकराव से बचें

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने अपनी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचें और मंगलवार को मलेशिया के जोहर बाहरू में सुल्तान जोहोर कप मैच के दौरान सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। क्लास्न के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है।' पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से कहा है कि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

विराट के बाद बाबर? टेस्ट क्रिकेट से बाहर होने की कगार पर पाकिस्तानी स्टार, पूर्व कप्तान ने उठाए सवाल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 43 गेंदों पर सिर्फ 28 रन बनाने के बाद पूर्व कप्तान पर सवाल उठने लगे हैं। तीन साल से घरेलू मैदान पर अर्धशतक न बनाने वाले बाबर की फॉर्म को लेकर अब यह चर्चा तेज है कि क्या वह भी विराट कोहली की तरह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की राह पर हैं।

सलमान बट का तंज- 'बाबर घरेलू क्रिकेट से ऊपर नहीं हैं'

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बाबर आज़म की आलोचना करते हुए कहा कि खराब फॉर्म के बावजूद उन्होंने घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने से परहेज़ किया, जो उनकी गिरती फॉर्म की बड़ी वजह है। बट ने कहा, 'बाबर प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेलना चाहता। यह बेरुखी साफ दिखाई दी। जो खिलाड़ी खेले, उन्होंने रन बनाए तो बाबर क्यों नहीं खेला? पहले ओवर में ही वह बहुत कमजोर लग रहे थे। हां, वह बड़ा खिलाड़ी है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आपको घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। आप इससे ऊपर नहीं हैं।'

34 महीने से अर्धशतक का सूखा

बाबर आज़म का आखिरी टेस्ट शतक और अर्धशतक 2022 में आया था। तब से अब तक, उन्होंने 2024 में सिर्फ एक और 2025 में दो अर्धशतक लगाए हैं। लगातार नाकामी के चलते उनकी टीम में जगह पर भी सवाल उठ रहे हैं।

कोहली से तुलना- क्या बाबर भी वही रास्ता अपनाएंगे?

सलमान बट की टिप्पणी के बाद कई फैंस और विश्लेषक बाबर की तुलना विराट कोहली से करने लगे हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार असफलता के बाद जनवरी 2025 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया था। दिलचस्प बात यह है कि कोहली ने अपने रिटायरमेंट से ठीक पहले दिल्ली के लिए एक घरेलू मैच खेला था जो बाबर नहीं कर रहे।

क्या बाबर का टेस्ट करियर भी ढलान पर है?

बाबर की फॉर्म और रवैये पर उठ रहे सवालों ने यह चर्चा तेज़ कर दी है कि क्या पाकिस्तान चयन समिति जल्द ही उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर सकती है। उनके प्रदर्शन में लगातार गिरावट और घरेलू क्रिकेट से दूरी यह संकेत देती है कि बाबर का टेस्ट करियर अब निर्णायक मोड़ पर है।

रॉकेटशिप में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं ईशा कोप्पिकर

ईशा कोप्पिकर की अगली फिल्म, रॉकेटशिप, का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है, जो दर्शकों को एक भावनात्मक रूप से भरपूर सिनेमाई अनुभव की पहली झलक देता है। निर्माता हरमन राय सहगल ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को एक भावुक कैप्शन के साथ साझा किया है जो फिल्म के सार को बखूबी दर्शाता है- हर सपने को चाहिए एक सहारा, हर सफर को चाहिए प्यार। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की इस प्रस्तुति में ईशा कोप्पिकर एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर वापसी कर रही हैं। जिसमें वे एक ऐसी भूमिका निभा रही हैं जो अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में समर्थन करने वाली एक माँ के रूप में उनके अभिनय कौशल को दर्शाता है। ईशा कोप्पिकर, जिन्होंने सालों से अपनी खूबसूरती, शालीनता और अभिनय प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर राज किया है, अब रॉकेटशिप में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही हैं जो दर्शकों के दिल को छूने और भावनाओं की गहराइयों में ले जाने का वादा करती है। यह प्रोजेक्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह अनुभवी प्रतिभाओं और उभरते हुए फिल्म निर्माताओं — खासकर सुभाष घई की प्रतिष्ठित व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल अकादमी के छात्रों — के बीच एक सुंदर सहयोग का प्रतीक है। ईशा का इस डिप्लोमा प्रोजेक्ट में हिस्सा लेने का फ़ैसला इस बात को दर्शाता है कि वह नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए कितनी प्रतिबद्ध हैं, और किस तरह वो इन छात्रों की संघर्षपूर्ण यात्रा से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। रॉकेटशिप का ट्रेलर सोशल मीडिया पर आते ही खूब चर्चा बटोर रहा है। दर्शक इसके संवेदनशील विषयवस्तु और ईशा की दमदार भूमिका की जमकर सराहना कर रहे हैं।

मेरे पुराने दोस्त की तरह है मिर्जापुर में गोलू का किरदार

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने हाल ही में बनारस में मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म में श्वेता फिर से अपने लोकप्रिय किरदार गजगमिनी गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। इंटरव्यू में श्वेता ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार निभाना मेरे लिए किसी पुराने दोस्त से मिलने जैसा है। एक ऐसा दोस्त, जो मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव और बदलावों का साक्षी रहा है। बनारस की खासियत है कि यहां की हर कहानी और भी ज्यादा जीवंत लगती है। श्वेता के लिए बनारस वापसी एक खास एहसास लेकर आई है। उन्होंने बताया कि इस शहर ने उनके एक्टिंग करियर में कई महत्वपूर्ण पल देखे हैं। उनकी पहली बड़ी फिल्म मसान से लेकर मिर्जापुर सीरीज तक, बनारस उनके सफर का अहम हिस्सा रही है। उन्होंने कहा, अब जब मैं इस शहर में मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं, तो यह मेरे लिए सफर का पूरा होना जैसा है। अपने किरदार के बारे में श्वेता ने कहा, गोलू का किरदार बदल चुका है और वह खुद भी बदली हैं, लेकिन उसके अंदर का जोश और आग अब भी वही बनी हुई है। मैं दर्शकों को इस किरदार से मिलवाने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बता दें कि मिर्जापुर भारत की सबसे लोकप्रिय क्राइम-थ्रिलर सीरीज में से एक है। इसकी कहानी अखंडानंद कालीन त्रिपाठी नाम के एक अपराधी और व्यवसायी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मिर्जापुर जिले का बेताज बादशाह माना जाता है। पहले सीजन में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, विक्रांत मैसी, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, रसिका दुग्गल, हर्षिता गौर और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। दूसरे सीजन में ज्यादातर कलाकार वापस आए, लेकिन विक्रांत मैसी और श्रिया पिलगांवकर की जगह कुछ नए कलाकार देखे गए, जिनमें विजय वर्मा, ईशा तलवार, लिलिपुट, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेन्युली, अनंग्शा बिस्वास, और नेहा सरगम शामिल हैं।

वरुण की है जवानी तो... में दिखेगा लव ट्राएंगल

पूजा हेगड़े के अलावा मौनी रॉय और मृणाल ठाकुर भी आएंगी नजर

वरुण धवन जल्द ही पिता डेविड धवन की नई कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में दिखाई देंगे। यह फिल्म डेविड के पुराने सिग्नेचर कॉमेडी स्टाइल की वापसी मानी जा रही है। वरुण के साथ पूजा हेगड़े इस फिल्म की लीड हीरोइन हैं, जबकि फिल्म में दो नायिकाओं के बीच का त्रिकोणीय रोमांस और झूठ-फरेब भरी चीटिंग कहानी का मुख्य आकर्षण होगा। फिल्म में मौनी राय और मृणाल ठाकुर भी हैं। वरुण की हाल ही में जाह्नवी कपूर के साथ रिलीज हुई सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के बाद यह उनकी लगातार दूसरी हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है। राकेश बेदी, जिमी शेरगिल और चंकी पांडे जैसे मंझे हुए कलाकार भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की शूटिंग आधी भारत और आधी लंदन में हुई है

राकेश बेदी ने से खास बातचीत में फिल्म को लेकर बताया कि... यह फिल्म लाफ्टर-राइड वाली है। वरुण का किरदार एक हीरोइन से भी झूठ बोलेगा और दूसरी से भी। अब सोच लीजिए फिर पकड़े जाने और निकल जाने का खेल कितनी कॉमेडी पैदा करेगा। फिल्म आधी भारत और आधी लंदन में शूट हुई है, इसलिए इसकी दुनिया भी अलग तरह का रंग-ढंग लेकर आएगी। आमतौर पर वरुण को सेट पर बड़ा मस्तीखोर माना जाता है लेकिन पिता डेविड के सामने उनकी यह मस्ती पूरी तरह कंट्रोल हो जाती है। डेविड किसी को नहीं बख्शते, चाहे वह वरुण ही क्यों न हों। अगर वह लेट होते हैं, तो सबके सामने डांट पड़ती है।

कृति शेट्टी ने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था। कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैया में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष प्रकार से मूव करना सबसे कठिन रहा। बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

शूजित सरकार ने दीपिका के आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपने आठ घंटे काम करने की शर्त को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। कथित तौर पर दीपिका के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने की वजह भी उनके आठ घंटे शिफ्ट की मांग थी। इसके बाद पिछले दिनों दीपिका 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से भी बाहर हो गईं। इसके पीछे भी मेकर्स ने काम के प्रति प्रतिबद्धता को ही जिम्मेदार बताया था। अब दीपिका के प्रोशेनलिज्म और आठ घंटे की शिफ्ट पर निर्देशक शूजित सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। दीपिका के साथ 'पीकू' में काम कर चुके शूजित ने अभिनेत्री का समर्थन किया है।

शूजित ने किया दीपिका का समर्थन

डीएनए के साथ बातचीत में शूजित सरकार ने दीपिका के दो बड़ी पैन इंडिया फिल्मों से बाहर होने पर कहा कि मैं हर व्यक्ति के व्यक्तिगत फैसलों का सम्मान करता हूं। वे क्या करते हैं, इसके लिए वो स्वतंत्र हैं।। मुझे नहीं पता कि पूरी कहानी क्या है। हालांकि, दीपिका के आठ घंटों की शिफ्ट को लेकर निर्देशक ने कहा कि कोई बात नहीं। हमें हर व्यक्ति की सीमाओं का सम्मान करना चाहिए। इसलिए उसकी पूरी इज्जत करनी चाहिए। मैं ऐसा ही करता हूं। दीपिका के प्रोफेशनलिज्म पर बात करते हुए शूजित ने कहा कि एक पेशेवर कलाकार के रूप में वह शानदार हैं। वह बहुत ही प्रतिभाशाली हैं।

'पीकू' में शूजित सरकार के साथ दीपिका ने किया काम

दीपिका पादुकोण ने शूजित सरकार के साथ साल 2015 में आई फिल्म 'पीकू' में काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने ही किया था। फिल्म में दीपिका के साथ अमिताभ बच्चन और इरफान खान सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा था।

अल्लू अर्जुन और शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से बाहर होने के बावजूद दीपिका की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इन दिनों दीपिका शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वो एटली और अल्लू अर्जुन की बड़े बजट की फिल्म में भी नजर आएंगी।

ग्लोबल स्टेज पर अच्छा काम करना जरूरी है

दुनिया भर के प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल से लेकर ऑस्कर की ऑफिशियल एंट्री तक अपने अभिनय की गूंज पहुंचाने वाले एक्टर ईशान खट्टर ने अपने करियर का आगाज भले सिनेमा के जीनियस कहलाने वाले अनुराग कश्यप सरीखे फिल्मकार के असिस्टेंट के रूप में किया हो, मगर उनकी मंजिल हमेशा से एक्टिंग ही थी। यही वजह है, चाहे वो माजिद मजीदी की बियॉन्ड द क्लाउड्स रही हो या फिर धड़क, ईशान ने अपना सिक्का जमाया। इंटरनैशनल वेब सीरीज परफैक्ट कपल में भी वे एक अहम रोल में पसंद किए गए।

ईशान खट्टर की शुरुआती फिल्म बियॉन्ड द क्लाउड्स ईरानी फिल्मकार द्वारा निर्देशित थी, जिसे कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना मिली थी। होमबाउंड की विश्व विख्यात ख्याति के साथ-साथ उन्होंने इंटरनैशनल वेब सीरीज में भी लोकप्रियता पाई। ग्लोबल स्टेज पर अपने अपने प्रतिनिधित्व के बारे में वे वे कहते हैं, मैं खुद को बहुत ही खुशकिस्मत मानता हूं। हॉलिवुड के इस शो में मेरी केंद्रीय भूमिका थी। जब मुझे इस शो के ऑडिशन का मौका मिला था, तब अपनी भूमिका को पढ़कर मैं भी बहुत खुश था, क्योंकि आम तौर पर हॉलिवुड में साउथ एशियन एक्टर्स को एक ही तरह की भूमिकाएं देकर टाइपकास्ट कर दिया जाता है साउथ एशियन एक्टर्स के प्रति एक आम नजरिया क्या होता है, मगर जब यह शो आया और इसमें मेरे किरदार को सराहना मिली, तब अहसास हुआ कि री प्रेजेंटेशन कितना जरूरी है।

मैंने और विशाल ने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं

होमबाउंड में ईशान की भूमिका मोहम्मद शोएब अली को देखने के बाद दर्शक स्वयं अपने भीतर टूट-फूट महसूस करने लगता है। अपने मानसिक हाल पर ईशान कहते हैं, कुछ फिल्में फिल्मों से बढ़कर होती हैं। निर्देशक नीरज घेवान ने पहले ही साफ कर दिया था कि हम ये रोल निभाएं नहीं बल्कि उसे जिएं। किरदार को जीने के लिए उसकी तह में जाना जरूरी था और इसके लिए ये समझना भी भी आवश्यक था कि हमारी जिंदगी में आइडेंटिटी का मोल क्या है? जातिगत भेदभाव क्या है? इस किरदार के लिए हमारा एंट्री पॉइंट जुबान थी। जुबान हमारा कल्चर होता है। हमने तीन महीने डायलेक पर काम किया। हमने बाराबंकी के लिए एक ट्रिप ली। हमने वहां गांव के लोगों से मिलकर उनके सुख-दुख जाने। इसमें दोनों दोस्तों शोएब और चंदन (विशाल जेठवा) की दोस्ती केंद्र में है, तो हम एक -दूसरे के सामने वल्नरेबल बने, हमने अपनी असुरक्षाएं खोल कर रख दीं। वो रोल के लिए एक बड़ा हथियार साबित हुआ।

अपनी डायवर्सिटी को खोना नहीं है

फिल्म में ईशान खट्टर का किरदार शोएब जातिगत भेदभाव का शिकार होता है। असल जिंदगी में ईशान गंगा-जमुनी तहजीब से ताल्लुक रखते हैं (उनकी मां नीलिमा अजीम और पिता राजेश खट्टर) हैं, तो क्या कभी निजी जिंदगी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्होंने उस डिस्क्रिमिनेशन का सामना किया? इस पर ईशान कहते हैं, मेरे लिए गंगा-जमुनी तहजीब बहुत बड़ी चीज है। मैंने हमेशा इस बात पर बहुत गर्व किया है कि हम डायवर्सिटी से आते हैं। ये हमारे लिए बहुत खूबसूरत चीज है। हमें वो चीज खोनी नहीं चाहिए, क्योंकि वो हमारी ताकत है।

भाई शाहिद कपूर से तुलना किए जाने पर मुझे ऐतराज नहीं

फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने और शाहिद कपूर जैसे स्टार के भाई होने के नाते आरंभिक दिनों में ईशान को तुलना का शिकार होना पड़ता था। तो क्या अब विश्व पटल पर आने के बाद कंपेरिजन बंद हो गया है? इस सवाल पर वे कहते हैं, मैंने इस बात से कभी कोई ऐतराज नहीं किया है। वो मेरे बड़े भाई हैं और मुझसे 15 साल बड़े हैं, मैं उन्हें देख कर बड़ा हुआ हूं और मैंने उन्हीं से प्रेरणा ली है।

मुझे इस बात से कोई आपत्ति नहीं कि हमारी तुलना होती है। वो तो होगी ही. मुझे अपनी सचाई पता है। मैं हमेशा से अपने बलबूते पर काम करना चाहता था। मैं बहुत खुशनसीब हूं, मुझे ऐसे मौके मिले, मैंने मेहनत की और आज मैं जो करना चाहता था, जहां होना चाहता था, अपने दम पर हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।